डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 308 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 24 अगस्त 2024 | मूल्य 2 रुपया

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

आफिस में कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

पोर्टल की नई गतिविधि बनी आफत, कभी रहता है बंद तो कभी सर्वर डाउन...

मृत्यु के बाद भी सुकून नहीं! डेथ सर्टिफिकेट के लिए भटक रहे लोग

मृत्यु घटनास्थल ढूंढने में हो रही मशक्कतें, मूलनिवासी पंचायत को भी मिलना चाहिए अधिकार

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र वर्तमान परिस्थितियों में बनवाना बेहद जरूरी माना गया है। इसे भी मृत्यु प्रमाण पत्र ज्यादा जरूरी बन गया है। डेथ सर्टिफिकेट से कई प्रकार की समस्या हल होती है। लेकिन, अपनों की मृत्यु के बाद भी वर्तमान में सुकून नहीं मिल रहा है। इस कारण मृत्यु प्रमाण पत्र की उलझन है। इसे कहां से और कहां बनवाना है, इसमें ही परिजन उलझकर रह गए हैं। दुर्घटना की स्थिति में मृत्यु पर तो परिजन भटक रहे हैं। कभी अस्पताल तो कभी घटनास्थल तो कभी उनकी पंचायत के वे चक्कर लगाते देखे जा सकते हैं। लम्बे समय तक भटकने के बाद कई जाकर प्रमाण पत्र बनता है। यदि किसी गरीब व नियमों से अनजान व्यक्ति इस चक्कर में पड़ता है तो तय समय सीमा निकल जाती है। ऐसे में डेथ सर्टिफिकेट बनवाने में परेशानी और बढ़ने लगी है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए मृतक के मूल निवासी नगर पालिका, ग्राम पंचायत अथवा अस्पताल को अधिकार मिलने चाहिए, ताकि संबंधित मूल निवासी व्यक्ति को उसी की पंचायत में डेथ सर्टिफिकेट मिल जाए। नए नियमों में सरलता की जरूरत है। उधर, सरकारी अस्पताल में यदि दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है और तो संबंधित अस्पताल के कर्ताधर्ता प्रमाण पत्र बनाने में हाथ ऊंचे कर रहे हैं। यानी मृत्यु का घटनास्थल इसका प्रमाण माना गया है। वहां जाने पर संबंधित पंचायत के कर्ताधर्ताओं की कार्यप्रणाली भी विचित्र रहने लगी है। इन सब कारणों के चलते मृत्यु के बाद भी परिजन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए भटक रहे हैं।

मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए जो पोर्टल था, उसे अपडेट किया गया है। यानी पोर्टल एक तरह से नया बन गया है, उसमें अपलोडिंग के नियम भी नए निर्धारित हो गए हैं। नया पोर्टल भी आफत बनता जा रहा है। कभी पोर्टल बंद रहता है तो कभी सर्वर डाउन की समस्या उत्पन्न हो रही है। बड़े अस्पताल में पोर्टल बंद होने की समस्या शुक्रवार को भी हुई, इस कारण लोग भटकते रहे। वहीं सर्वर डाउन से भी लोगों को कई बार चक्कर काटने पर मजबूर होना पड़ रहा है। नए नियमों के तहत यदि किसी व्यक्ति की दुर्घटना उदाहरण के तौर पर फतेहगढ़ पंचायत क्षेत्र में हुई और उसकी मृत्यु वहीं हो जाए अथवा अस्पताल लाते समय रास्ते में हो जाए तो संबंधित परिजन को मृत्यु घटनास्थल खोजने में परेशानी आ रही है। कभी इधर तो कभी उधर भटकना पड़ रहा है। जबकि मूल निवासी पंचायत नगरीय निकाय अथवा सरकारी अस्पताल में नियमों का सरलीकरण कर प्रमाण पत्र बनाए जाने की आवश्यकता है। बता दें कि नए नियमों के तहत दुर्घटनास्थल से अस्पताल तक लाने की स्थिति में यह पता नहीं लग पाता है कि मृत्यु कहां हुई, ऐसे में संबंधित अस्पताल को प्रमाण पत्र जारी करना चाहिए, लेकिन घटनास्थल ढूंढवाने में टालमटोल की स्थिति भी उत्पन्न हो रही है।

समय सीमा निर्धारित, इसके बाद सक्षम अधिकारी को अधिकार– बताते हैं कि मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में एक समय सीमा निर्धारित है। इस समय सीमा में यदि प्रमाण पत्र नहीं बन पाता है तो इसके बाद सक्षम अधिकारी को ये अधिकार दिए गए हैं। इसमें तहसील अथवा उपखंड अधिकारी कार्यालय में जाना पड़ता है। यहां कई प्रकार के कागजातों की पूर्ति करना पड़ती है, तब जाकर प्रमाण पत्र हाथ लग पाता है।

जमीन बंटवारे, वसीयतनामा, संपत्ति प्रकरण में जरूरी है सर्टिफिकेट– बता दें कि जमीन बंटवारे, वसीयतनामा अथवा संपत्ति प्रकरण में मृत्यु प्रमाण पत्र जरूरी माना गया है। इसमें मृत्यु प्रमाण पत्र लगे तो आगे की कार्रवाई हो सकती है। लेकिन, इस प्रमाण पत्र को बनाने में नए नियमों के फेर में संबंधित व्यक्ति उलझन में है। नए नियमों का प्रचार–प्रसार भी नहीं होने से दिक्कतें बरकरार है। नए नियमों के अनुसार जिस घटनास्थल पर मृत्यु हुई है, वहीं की नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत अथवा अस्पताल को .... **शेष पेज 4 पर**

इनका कहना...

पोर्टल बंद था, इसलिए प्रमाण पत्र नहीं बन सका है। सर्वर की भी परेशानी रहती है। हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा दिए जाएं। नए नियम में दुर्घटना में मृत्यु की घटनास्थल वाली ग्राम पंचायत को प्रमाण पत्र बनाने के अधिकार दिए गए हैं।

नवीन बंदेवार, प्रभारी लिपिक, जिला अस्पताल मंदसौर

जन्म और मृत्यु को घटना बताया गया है। ऐसे में घटनास्थल को अपडेट किया गया है। जिस स्थल पर मृत्यु हुई है, उसमें संबंधित पंचायत को प्रमाण पत्र बनाकर देना होगा। दुर्घटना में यदि बीच रास्ते में मृत्यु होती है तो संबंधित अस्पताल को प्रमाण पत्र बनवाना होगा। हमने इसके लिए ट्रेनिंग दी है और समझाईश दी जाएगी।

डॉ. डीके जैन, जिला सांख्यिकी अधिकारी, मंदसौर

मामला डायग्नोस्टिक सेंटर व कार में आगजनी का...

27 तक रिमांड पर कमलेश होतवानी, नागेश और जावेद नहीं मिले

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। डॉ. भरत संगतानी के डायग्नोस्टिक सेंटर व उनकी कार में आग लगाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने कमलेश होतवानी को सरगना माना है। कमलेश ने अपने दो साथी जावेद निवासी मंदसौर और नागेश्वर निवासी रलायता के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया जावेद और नागेश्वर की तलाश की गई, लेकिन वे नहीं मिल पाए हैं। दोनों भी अन्य की मदद लेकर आग लगाने की वारदात को अंजाम देना बताया गया है। उधर, कमलेश होतवानी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 27 अगस्त तक रिमांड मिला है। रिमांड अवधि में उससे सघनता से पूछताछ की जाने लगी है। मामले में फरार आरोपी नागेश और जावेद के पकड़ाने के बाद और राज खुलने की परिस्थिति बनेगी।

कोतवाली पुलिस के अनुसार 28-29 मई को बड़े अस्पताल के सामने डॉ. भरत संगतानी के डायग्नोस्टिक सेंटर पर आग लगाई गई थी। इसका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें आरोपी दिखाई दिया है। इस घटना के ढाई महीने बाद 13-14 अगस्त की दरमियानी रात्रि में डॉक्टर के रामटेकरी स्थित घर के सामने खड़ी कार में तीन युवकों ने आग लगाई थी। इसका भी वीडियो सामने आया है। इसमें शिकायतकर्ता ने कमलेश होतवानी पर शंका जाहिर की थी। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद कमलेश को गोवा से उठाना बताया है। बताया कि पारिवारिक विवाद में हुए प्रकरण में जैल से छूटने के बाद कमलेश का संपर्क जावेद और नागेश से हुआ। दोनों से सौदा किया गया और जावेद और नागेश ने अन्य का सहारा लेकर आग लगवाई। उधर, कोतवाली पुलिस द्वारा कमलेश से पूछताछ की जा रही है। आगजनी के दो प्रकरणों के अलावा सोनोग्राफी सेंटर पर हुए दृष्कृत्य प्रकरण के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

खाकी का नशा, अपराध का रास्ता

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बीती 15 अगस्त पर अनेक पुलिस वालों का सम्मान हुआ। उधर कोटा राजस्थान पुलिस की कार्रवाई के बाद मंदसौर पुलिस पर फिर सवाल उठने लगे है। कोटा पुलिस ने मंदसौर पुलिस के आरक्षक कीर्ति जाट को तस्करी के मामले में पकड़ा है। हालांकि पुलिस कप्तान ने तत्काल उसके निलंबन की कार्रवाई कर दी। लेकिन, इस तरह की कार्रवाई पहली बार नहीं हुई है। कई पुलिस वालों वालों का आरोप प्रत्यारोप से नाता रहा है। कहावत है कि धुआं तभी उठता है जब आग लगती है। इस धुएं और आग का प्रमाण दो ढाई साल के आंकड़े बयां कर रहे हैं। जहां कीर्ति जाट को मिलाकर लगभग दस पुलिसकर्मी बर्खास्त हुए तो 17 पर जांच बैठी। पांच के इंक्रीमेंट रोके गए। इसमें एक इंस्पेक्टर तो सात एसआई शामिल है।

पुलिस पर मारपीट, बगैर सूचना के दूसरे थाने में दखल देना समेत कई अन्य गंभीर आरोप लगे। नीचले स्तर पर कई ने ऐसी लापरवाही बरती कि लगातार दो सौ दिन तक गैर हाजिर रहे, केस की डायरी से लेकर हथियार तक गुमाए। मामलों में विभागीय जांच बैठी। नतीजनत पुलिस के वरिष्ठों ने ही पारदर्शिता बरतते हुए संज्ञान लिया। विभागीय जांच में एक इंस्पेक्टर, सात एसआई, तीन एएसआई, तीन हेड कांस्टेबल, तीन कांस्टेबल शामिल है। इसी तरह पांच पुलिस कर्मियों के इंक्रीमेंट भी रोके गए है। बता दे कि मंदसौर जिले के मंदसौर, सीतामऊ, गरोठ, भानपुरा और मल्हारगढ़ विकासखंड में 19 थाने आते हैं। जिसमें तीन अन्य श्रेणी वाले थाने जैसे ट्रेफिक, महिला थाना और अजाक थाना भी शामिल है।

[अब तक कई पुलिस वाले हो चुके हैं बर्खास्त]

आठ मामले, नौ की गई नौकरी...

✻ बूढा चौकी का आरक्षक देवेंद्रसिंह एक वाहन छुड़ाने की कोशिश करने के मामले में 26 मई 2023 को सेवा से बर्खास्त हुआ, यह निलंबित था। जांच में वाहन के नंबर तक फर्जी निकले। ✻ आरक्षक आशुतोष शुक्ला पर मारपीट समेत तीन मामले दर्ज हुए। मछली वालों, कोविड स्टॉफ समेत अन्य घटनाओं से जुड़ाव रहा। यही कारण रहा कि 30 अप्रैल 2022 को बर्खास्त। ✻ आरक्षक कमलेश भियांजा व दिलीप कोली दोनों पर गरोठ के वांटेड से पैसे लेकर आरोपी का छोड़ने का आरोप लगा। 30सितंबर 2022 को दोनों की सेवा समाप्ति। ✻ वायडी नगर थाना आरक्षक नरेंद्र परिहार पर हरियाणा के अपराधी को थाने लाकर छोडने, लेन-देन व अनुशासनहिनता का आरोप। 30 नवंबर 2022 को बर्खास्त। ✻ लाइन आरक्षक दीपक चौहान पर निकाय चुनाव के दौरान ड्यूटी पर शराब पीने का मामला। 158 दिन गैर हाजिर होने पर बर्खास्त। ✻ पुलिस लाइन के आरक्षक नवीन यादव के खिलाफ आचरण को लेकर लगातार शिकायतें मिली। 122 दिन तक गैरहाजिर रहे। 07 अप्रैल 2022 को बर्खास्त। ✻ पुलिस लाइन के आरक्षक लोकेश आर्य 199 दिन लगातार गैर हाजिर रहने पर 28 मार्च 2022 को बर्खास्त। ✻ पुलिस लाइन के आरक्षक गजेंद्र जिनगर पर भी लगातार गैर हाजिर होने पर 26 जनवरी 2022 को कार्रवाई।

विभागीय जांच के दायर में यह नाम शामिल...

आरआई विजयकांत, एसआई तेजेंद्रसिंह, एएसआई बाबूलाल डामोर, एसआई जीतेंद्र चौहान, एसआई मनोज गर्ग, एसआई नितीन कुमावत, एसआई प्रेमसिंह, एसआई इंदु इवने, एसआई धर्मेश यादव, एसआई दिनेश राणा, एएसआई भीखूलाल डामोर, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्रसिंह, आरक्षक कीर्ति जाट, नीरजसिंह, आरक्षक नरेंद्र सोनी। इसमें से कईयों का स्थानांतरण भी हो चुका है।

इन सभी के एक-एक इंक्रीमेंट रोके...

हेड कांस्टेबल मानसिंह भाटी, हेडकांस्टेबल रोहित भल्ला, आरक्षक रोहित वरकड़े, आरक्षक नरेंद्र बिलवाल, देवेंद्रसिंह पंवार के विभागीय जांच के बाद एक-एक इंक्रीमेंट रोके गए।

मेडिकलों पर बगैर डॉक्टर की सलाह के भी थमाई जा रही एंटीबायोटिक...

मनमाने ढंग से एंटीबायोटिक खाने से बिगड़ रही सेहत

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सिर दर्द या बूखार या अन्य बीमारी के लिए लोग मेडिकल पहुंचते हैं। वहां डॉक्टर की सलाह की बजाय मेडिकल से दवाई लेना पसंद करते हैं। कुछ मेडिकलों पर हर बीमारी की डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक दवाईयां नियम विरुद्ध दी जा रही है। यहीं कारण है कि अब इसका असर नजर आ रहा है। एंटीबायोटिक का डोज मनमाने ढंग से लेने का ही परिणाम है कि अब मौसम से होने वाली आम बीमारी पंद्रह दिन तक पिछा नहीं छोड़ रही।

एंटीबॉयोटिक दवाओं का उपयोग बैक्टेरिया को मारने में होता है। चिकित्सक अनिवार्य स्थिति में मरीज की समस्या, उम्र आदि के आधार पर आवश्यकतानुसार एंटीबॉयोटिक दवा प्रिस्क्राइप करते हैं। इसके विपरीत कई मरीज अपनी मर्जी से या अनाधिकृत व्यक्ति की बताई दवाई ले लेते हैं जिनमें एंटीबॉयोटिक भी शामिल होती है। दवाइयों को इस प्रकार मनमाना उपयोग भविष्य में मरीज के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। अब मौसमी बीमारी हो या अन्य कोई बीमारी डॉक्टर को मिडिएशन बदलना पड़ रहा है और उपचार में लंबा समय लगता है।

मनमाने सेवन पर बेक्टेरिया के जीवने की क्षमता बढ़ती है– एंटीबॉयोटिक दवा का उपयोग बैक्टेरिया के लिए होता है लेकिन ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं में भी इनका उपयोग हो रहा है जिसमें इनके बिना उपचार किया जा सकता है। दरअसल एंटीबॉयोटिक दवाओं के मनमाने या बिना चिकित्सकीय सलाह के उपयोग के कारण लोगों के शरीर में एंटीबॉयोटिक प्रतिरोध बढने लगा है। शरीर में आवश्यकता से कम या ज्यादा एंटीबॉयोटिक दवाएं जाने से शरीर में मौजूद बैक्टेरिया आदि इनके साथ जीने की क्षमता बढ़ा लेते हैं। इससे यह इतने शक्तिशाली हो जाते हैं कि जब किसी बीमारी में मरीज को दवाई दी जाती हैं तो कीटाणुओं पर इनका असर ही नहीं होता।

कम और ज्यादा डोज भी होता है दोनों हानिकारक– चिकित्सकों के अनुसार स्वास्थ्य समस्या अनुसार मरीज को दवा के जितने डोज की जरूरत है, उससे कम डोज मिलने पर बैक्टेरिया मरते नहीं और दवा के साथ जीने की क्षमता पैदा कर लेते हैं।आवश्यकता से अधिक दवा का डोज देने से स्वास्थ्य तो सुधर जाता है, लेकिन शरीर के बैक्टेरिया को इतने हेवी डोज की आदत हो जाती है। कम डोज में वे नहीं मरते और बाद में हेवी डोज में ही सरवाइव करने लगते हैं।

तय दवा खुराक छोड़ने पर भी है नुकसानी– अक्सर देखने में आता है कि डॉक्टर जितनी बार और जितने दिन की दवाई देते हैं, मरीज उसका शतप्रतिशत पालन नहीं करते। थोड़ा सुधार महसूस होने पर मरीज बीच में ही दवा लेना बंद कर देता है या डोज कम कर लेता है। इससे कुछ दिन बाद फिर बीमारी के लक्षण आते हैं और दोबारा वही दवाई शुरू करने पर बैक्टेरिया पर उनका असर पहले की तुलना में कम हो जाता है।

इनका कहना...

कई एंटीबायोटिक नहीं कर रही असर– लगातार चिकित्सकीय सलाह के एंटी बायोटिक का अधिक उपयोग हो रहा है। परिणाम यह हो रहा है कि अब कई एंटीबायोटिक ने काम करना ही बंद कर दिया है। शरीर में पैदा होने वाले बीमारियों के बैक्टिरिया ने इनसे दोस्ती कर ली है। मतलब अब एंटीबायोटिक असर नहीं कर रही। अब डॉक्टरों को अन्य एंटीबायोटिक का उपयोग करना पड़ रहा है जो काफी महंगी होती है। वहीं उपचार भी लंबा चलता है। पहले एक या दो खुराक में मौसमी बीमारी ठीक हो जाया करती थी। लेकिन अब देखने को मिल रहा है कि उपचार लंबा चल रहा है। यहीं एंटीबायोटिक का अधिक सेवन का नतीजा है।

डॉ. सिद्धार्थ पाटीदार, मंदसौर

चौकीदार को बताया संदेही, गोडाउन का ताला बदलने की परिस्थिति पनपी...

उद्यानिकी कॉलेज में चने गायब होने का मामला अमानत में खयानत में तब्दील

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ फाटक क्षेत्र में स्थित उद्यानिकी कॉलेज के गोडाउन से 124 क्विंटल चने कृतिम अवस्था में चोरी होने का मामला अमानत में खयानत में तब्दील हुआ है। यानी गोडाउन के चौकीदार को संदेही बनाया गया है, जिसके द्वारा सार्थियों के साथ चना निकालने की संज्ञा दी गई है। चौकीदार आशीष पिता सत्यनारायण माली निवासी मेनपुरिया इस प्रकरण का सरगना निरूपित हुआ है। इसके चलते नए सिरे से जांच की सुई घुमाई गई है।

नईआबादी थाना पुलिस के अनुसार उद्यानिकी डीन इंदरसिंह तोमर ने शिकायती आवेदन दिया था। जांच पड़ताल के बाद संदेही चौकीदार आशीष ने अमानत में खयानत करना प्राथमिक तौर पर पाया है। बताया गया है कि गोडाउन में प्रजनक बीज 202-204 के 124 क्विंटल चना रखा था। गोडाउन की एक चाबी एक अधिकारी के पास तो दूसरी चाबी इंचार्ज के पास रहती है। इसकी चौकीदार के लिए आशीष तैनात है। प्रकरण अनुसार गोडाउन का ताला खोलने पर पुरानी चाबी से ताला नहीं खुला। पंचनामा बनाकर ताला तोड़ा गया, अंदर देखा तो 124 क्विंटल चने गायब मिले। माना गया है कि चौकीदार ने कलाकारी करी है, जिसके चलते संबंधित चाबी से ताले नहीं खुले। चौकीदार ने साथियों की मिलीभगत से अमानत में खयानत करने की नियत से चने गोडाउन से निकलवाए हैं। इस तरह यह प्रकरण चोरी की बजाय अमानत में खयायत में तब्दील हो गया है। पुलिस द्वारा इस संबंध में जांच की जा रही है।

घटते कार्यकर्ता गिरती जनसाख को कब निहारेगा कांग्रेस हाईकमान

उज्जैन/मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जब से भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की कमान गुजरात के दोनों नेता नरेंद्र मोदी और अमित शाह के हाथों में दी गई तभी से राष्ट्रीय पटल पर भाजपा एक छत्र कब्जा जमाए नजर आ रही है। 2014 से 10 साल बाद कांग्रेस के इतने सांसद जीते हैं कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी बन पाए हैं। छह दशक तक की सत्ता और राजनीति में वर्चस्व जमाए रखने वाली कांग्रेस की इतनी दयनीय हालत यह स्पष्ट जाहिर कर रही है कि उसकी जनसाख निम्नस्तर तक चली गई थी तब भी कांग्रेस संगठन के शीर्ष पर गांधी परिवार का कब्जा था। आज भी जब फिर से जनसाख में सुधार हो रहा है तब भी। संसद में बहुत बुरे आंकड़े के साथ एक दशक गुजरने के बाद अपने सांगठनिक ढांचे में कोई सुधार नहीं किया है। ना ही वर्तमान जनसाख मिलने पर कांग्रेस को इतराना चाहिए। कारण साफ है कि कांग्रेस को मोदी सरकार से नाराजी कारण जनमत ने 54 से 99 सांसदों तक पहुंचाया है। कांग्रेस की निजी उपलब्धि होती तो संख्या दो सौ पार कर जाती। यह सच है कि राहुल गांधी ने अपनी खुद की लोकप्रियता में शत प्रतिशत समर्थन पाया है। पर, एक सरकार बनाने के लिए लोकतंत्र में अपने दल के चुने गए प्रतिनिधियों की संख्या सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। और इसी संख्या को पाने के लिए देशभर के सभी राज्यों से अपने दल के प्रत्याशियों को जीतने लायक जन समर्थन जुटाने के लिए दल की और प्रत्याशी की स्तरीय जनसाख होना ही बेहतर नतीजे दिलाने वाला शस्त्र होता है।

चन्द्रमोहन भगत

इसी तरह का वातावरण बनाने के लिए राहुल सहित कांग्रेस का शीर्ष संगठन भी कुछ करता नजर नहीं आ रहा है। अगर कांग्रेस को भाजपा के डबल इंजन नेतृत्व और आरएसएस जैसे अनुशासित संगठन के जमीनी कार्यकर्ताओं से देश के 28 राज्य और आठ केंद्र शासित राज्यों में जनमत पाने की स्पर्धा करना है तो अपने सांगठनिक ढांचे में आमूल चूल परिवर्तन के साथ निस्वार्थ त्याग और समर्पण भाव के साथ अपने विचारधारा पर काम करने वाले जमीनी कार्यकर्ताओं को तैयार करना पड़ेगा। सिर्फ कार्यालय में पद पाकर बैठने वाले या मंच से माईक पकड़कर भाषण देने वालों के भरोसे रहकर तो पहले ही अर्श से फर्श तक का सफर किया हुआ है।

कांग्रेस संगठन में बने हुए इसी वातावरण के कारण यह दृश्य बना हुआ है कि राहुल गांधी ने अपनी खुद की छवि को यात्राओं के सहारे सुधारा है और जन समर्थन भी खूब पाया भविष्य में भी पाते रहेंगे। पर बाकी दल के भावी नेताओं के लिए कोई कार्य योजना नजर नहीं आ रही है। कई राज्यों में कांग्रेस संगठन लगभग निष्क्रिय पड़ा है और कई राज्यों में लगातार हार के कारण संगठन गर्त में समाने लगा है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन की बात करें तो विधानसभा चुनाव के पहले से जिला संगठनों में बदलाव की आवाज बुलंद हो रही थी। आज भी जारी है पर शीर्ष संगठन नजरअंदाज करता आ रहा है। इस नजरअंदाजी के कारण अधिकांश जिले में हार के कारण आपसी प्रतिस्पर्धा बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के जिले इंदौर में ही अरविंद बागड़ी, विनय बाकलीवाल की स्पर्धा के बाद अक्षय कांति बम के नाम वापसी ने जिला संगठन की आपसी दरारों की खाई को उजागर कर दिया है। छिंदवाड़ा रहते हुए जिले के नेताओं की आपसी द्वंद के कारण हार में बदल गई। प्रदेश संगठन में थोड़ी कसावट और सक्रियता तब नजर आई थी जब जेपी अग्रवाल प्रदेश प्रभारी थे। उसके बाद से प्रभारी बदले जाते रहे तो कसावट और सक्रियता भी घटती चली गई। फिर प्रत्याशी चयन के दौरान सार्वजनिक मंच पर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के आपसी आरोप प्रत्यारोप वार्तालाप वाले वीडियो ने प्रदेश कांग्रेस के विधानसभा चुनाव के मैदान से जमते पांव को ऐसा उखाड़ा, की सरकार बनाने के आंकड़े से आधे पर ही ठहर गए। भाजपा और एनडीए में तो लोकसभा चुनाव में पिछड़ने के बाद संगठन कार्य प्रणाली में बदलाव और कसावट के लक्षण नजर आने लगे हैं। जिन राज्यों में विधानसभा में चुनाव होना है वहां शीर्ष संगठन की गतिविधियां साफ नजर आ रही है। इसी स्तर की मुस्तैदी और बदलाव को कांग्रेस संगठन ने नहीं अपनाया तो सिंधिया, पचौरी, अक्षय बम और रामनिवास रावत जैसे उदाहरण फिर दोहराए जा सकते हैं।

शातिर बदमाश है आरोपी, कई जिलों में कर चुका है हाथ साफ...

लाखों की चोरी का खुलासा, दस लाख रुपए कीमती गहने बरामद

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। करीब बीस दिन पहले मंदसौर जिले के शामगढ़ में सुने मकान से लाखों के गहने चोरी होने की घटना का पुलिस ने पता लगा लिया है और आरोपी को हिरासत में लेकर चोरी हुए दस लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवर भी बरामद कर लिए है। पकड़ाए आरोपी शातिर बदमाश है जिन्होंने राजगढ़, सारंगपुर, शाजापुर तथा शुजालपुर में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

यह जानकारी देते हुए पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने बताया कि 3-4 अगस्त की दरमियानी रात में नरेंद्र कुमार पिता रामगोपाल परिहार निवासी हरिसिंह कॉलोनी शामगढ़ के शिक्षक कॉलोनी स्थित सुने मकान में चोरी की वारदात हुई थी। बदमाश ने मकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से महत्वपूर्ण सूचना मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने संदेही अशोक पिता लालचन्द्र गायरी निवासी नलखेड़ा जिला आगर एवं सुनील पिता मांगीलाल भील निवासी ग्राम भांगड़ी थाना शामगढ़ को मेलखेड़ा चौपाटी से पकड़ा और पूछताछ की तो आरोपीगण अशोक गायरी व सुनील भील के द्वारा अपने फरार साथियों गोवर्धन गायरी निवासी नलखेड़ा व नरसिंह बैरागी निवासी निवासी गुदरावन थाना नलखेड़ा के साथ मिलकर सूने मकान में चोरी करना स्वीकार किया। आरोपीगण अशोक गायरी व सुनील भील के कब्जे से चोरी गये सोने चांदी के ..... **शेष पेज 4 पर**

9 वर्षीय बालक को सांप ने डसा, मृत्यु

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भावगढ़ थाना क्षेत्र के तहत ग्राम कटलार में शुक्रवार सुबह घर के बाहर खेल रहे 9 वर्षीय बालक को सांप ने डस लिया, जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई है। पुलिस के अनुसार बालक प्रतीक पिता सत्यनारायण कुमावत 9 वर्ष निवासी कटलार खुशमिजाज का था। शुक्रवार को घर के बाहर ही जहरीले सांप ने उसे काट लिया। परिजनों को खबर लगने पर से तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन होनि को कुछ और ही मंजूर था। बालक प्रतीक की सर्पदंश से मृत्यु हो गई। बताते हैं कि बालक प्रतीक इकलौता पुत्र था। हाल में राखी के त्यौहार पर रिश्तेदारी में बहनों ने उसे राखी बांधी थी। राखी त्यौहार के चंद दिनों बाद सर्पदंश से बालक की मृत्यु हो गई। मामले में बड़े अस्पताल में पीएम करवाया गया, समाजजनों को पता चलने पर यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

विचार-मंथन

लेटरल एंट्री भर्ती को लेकर सियासत...

विभिन्न मंत्रालयों में सचिव, उपसचिव और निदेशक के लिए सीधी भर्ती यानी 'लेटरल एंट्री' को आखिरकार सरकार ने रोक दिया है। पिछले हफ्ते चौबीस मंत्रालयों में ऐसे पैंतालीस पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने विज्ञापन निकाला था, जिसे उसने अब रद्द कर दिया है। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि सरकार इस तरह अपने पसंदीदा लोगों को भर्ती करना चाहती है। इससे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े समुदाय के लोगों के लिए संविधान में मिले आरक्षण के प्रावधान का उल्लंघन होगा। इस मसले पर सरकार के सहयोगी दलों ने भी विरोध में आवाज उठानी शुरू कर दी थी।दो दिन तक इसके अलग-अलग पक्षों पर खूब बहस हुई। अब सरकार ने यूपीएससी को पत्र लिख कर कहा है कि इन भर्तियों में भी सामाजिक न्यायका ध्यान रखा जाना जरूरी है। जाहिर है, इसे विपक्ष अपनी विजय के रूप में रेखांकित कर रहा है, मगर हकीकत यह है इसे सत्तापक्ष की पराजय नहीं कहा जा सकता। सत्तापक्ष ने केवल पैंतरा बदला है। यूपीएससी को लिखी कार्मिक मंत्रालय की चिट्ठी से जाहिर है कि सीधी भर्तियां तो होंगी, मगर आरक्षण का ध्यान रखते हुए। ऐसे में इस सवाल का जवाब शायद ही मिल पाए कि आखिर मंत्रालयों में इतने बड़े पैमाने पर बाहर के लोगों की सीधी भर्ती का औचित्य क्या है! मंत्रालयों में सीधी भर्ती का प्रावधान इसलिए किया गया था कि इस तरह निजी क्षेत्रों या दूसरे संस्थानों में काम कर रहे विशेषज्ञों की सेवाएं ली जा सकें। पहले भी सीधी भर्तियां होती रही हैं। ऐसे लोगों को तीन से पांच वर्ष तक की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति या तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है। अब बदलती जरूरतों के मुताबिक अनेक क्षेत्रों में तकनीकी विशेषज्ञता की दरकार बढ़ी है। इसी तर्क पर नई भर्तियां विज्ञापित की गई थीं। मगर इन्हें लेकर विवाद इसलिए भी उठा कि पहले ही विभिन्न मंत्रालयों में अनेक सीधी भर्तियां की जा चुकी हैं।सीधी भर्ती का अर्थ यह नहीं माना जाना चाहिए कि नियमित आधार पर भर्ती लोगों की योग्यता को नजरअंदाज कर दिया जाए। मंत्रालयों का कामकाज नौकरशाही के बल पर ही चलता है और उसमें विभिन्न अनुशासनों के लोग होते हैं। तकनीकी क्षेत्रों के लोगों की भी उसमें कमी नहीं है। फिर, बदलती जरूरतों के मुताबिक इन अधिकारियों को कौशल विकास के लिए विदेशों में भेज कर प्रशिक्षण भी दिया जाता है। ऐसे में बड़ी तादाद में बाहर से लोगों को लाने पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सीधी भर्तियों के मामले में स्वाभाविक रूप से यह आरोप लगाना आसान हो जाता है कि ऐसे लोग प्रायः सरकार की इच्छा के अनुरूप ही काम करते हैं। फिर, ऊंचे पदों पर बाहर से लोगों को लाने की वजह से नियमित प्रशासनिक अधिकारियों की पदोन्नति के अवसर काफी सिकुड़ जाते हैं। हर नौकरशाह चाहता है कि वह मंत्रालयों में अपनी सेवाएं दे, मगर सीधी भर्ती से लोगों को लिए जाने के कारण उन्हें वह मौका नहीं मिल पाता। इस बात को लेकर भी प्रशासनिक अधिकारियों में असंतोष देखा जाता है। कई महत्वपूर्ण विभागों में सचिव स्तर पर पदोन्नति के बजाय लंबा कार्य विस्तार देखा जाने लगा है। अच्छी बात है कि सरकार ने सीधी भर्ती की प्रक्रिया पर विराम लगा दिया है, मगर उससे ठहर कर इस पर भी विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि नियमित प्रशासनिक अधिकारियों की योग्यता और अपेक्षाओं का पारदर्शिता के साथ मूल्यांकन हो।

विनिर्माण क्षेत्र में बदलती भारत की तस्वीर

प्रहलाद सबनानी

रक्षा क्षेत्र की तरह ही, हाल ही के समय में भारत ने उत्पादन के कई नए क्षेत्रों में प्रवेश किया है। कुछ वर्ष पूर्व तक दवा निर्माण के क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले एपीआई (ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडीयंट) नामक कच्चे माल का लगभग पूरे तौर पर चीन से आयात किया जाता था। भारत में आज भी देश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास कर रही है और वह अपने रोजगार के लिए सामान्यतः कृषि क्षेत्र पर निर्भर है तथा देश की कुल अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान केवल 16-18 प्रतिशत के आसपास बना रहता है। अब यदि देश की 60 प्रतिशत आबादी देश के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16-18 प्रतिशत तक का योगदान दे पा रही है तो स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र में गरीबी तो बनी ही रहेगी। परंतु, यह स्थिति अब धीरे धीरे बदल रही है क्योंकि हाल ही के वर्षों में भारत के विनिर्माण क्षेत्र का योगदान देश के सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों के नागरिक शहरी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही विनिर्माण इकाइयों में रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने के उद्देश्य से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। विनिर्माण क्षेत्र में कई ऐसे नए क्षेत्र भी उभरकर सामने आए हैं जिन क्षेत्रों में भारत में उत्पादन बहुत कम मात्रा में होता रहा है। उदाहरण के लिए रक्षा क्षेत्र, दवा क्षेत्र, सेमी-कंडक्टर निर्माण क्षेत्र एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का क्षेत्र आदि का वर्णन यहां प्रमुख रूप से किया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में स्वदेशी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन की मात्रा 1.27 लाख करोड़ रुपए की रही है जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय 16.7 प्रतिशत अधिक है। यह भारत सरकार द्वारा देश में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी नीतियों और सरकार के प्रयासों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। वर्तमान में रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाईयों में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा संयुक्त रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान उक्त वर्णित उत्पादन में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 79.2 प्रतिशत का रहा है जबकि निजी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 20.8 प्रतिशत का रहा है। हर्ष का विषय तो यह भी है कि रक्षा के क्षेत्र में भारत में निर्मित किए जा रहे उत्पादों की अन्य देशों में भारी मांग निर्मित होती जा रही है और इन उत्पादों का निर्यात भी लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपए के मूल्य का निर्यात भारत से विभिन्न देशों में किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है और यह भारत में रक्षा के क्षेत्र में हुए कुल उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत है। निर्यात में यह वृद्धि न केवल वैश्विक रक्षा बाजार में भारत के बढ़ते पदचिन्हों को दर्शाती है, बल्कि आत्मनिर्भरता और नवाचार के प्रति

इसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। भारत में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही के समय में कई रणनीतिक पहल भी केंद्र सरकार द्वारा की गई है, जैसे, मजबूत नीतिगत ढांचे को विकसित करना, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना, अनुसंधान एवं विकास कार्यों में पर्याप्त निवेश को बढ़ावा देना, आदि शामिल हैं। स्वदेशीकरण की नीति के अनुपालन का असर भी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन एवं निर्यात में हो रही भारी भरकम वृद्धि के रूप में दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में उपयोग होने वाले सैकड़ों उत्पादों के आयात पर रोक लगाकर इन उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने के निर्णय का असर भी अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने की नीति को लागू करने से देश में न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा बल्कि देश में आर्थिक प्रगति, तकनीकी उन्नति एवं रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा क्षेत्र की तरह ही, हाल ही के समय में भारत ने उत्पादन के कई नए क्षेत्रों में प्रवेश किया है। कुछ वर्ष पूर्व तक दवा निर्माण के क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले एपीआई(ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडीयंट) नामक कच्चे माल का लगभग पूरे तौर पर चीन से आयात किया जाता था। परंतु, कोरोना महामारी के दौरान भारत को यह अहसास हुआ कि यदि चीन इस कच्चे माल का निर्यात भारत को करना कम कर दे अथवा बंद कर दे तो भारत में तो दवा उद्योग की इकाइयों में निर्माण कार्य ही ठप्प पड़ जाएगा। इसके बाद केंद्र सरकार ने एपीआईके उत्पादन को भारत में ही करने का फैसला लिया, आज स्थितियां पूर्णतः बदल गई है एवं एपीआईका निर्माण भारत में ही किया जाने लगा है। सम्भव है कि आगे आने वाले कुछ समय में एपीआईके निर्माण के क्षेत्र में भी भारत आत्मनिर्भरता हासिल कर लेगा। भारत आज एपीआईके उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया है एवं भारत की वैश्विक एपीआईउद्योग में 8 प्रतिशत की हिस्सेदारी बन गई है। आज भारत में 500 से अधिक प्रकार के विभिन्न एपीआईका उत्पादन किया जा रहा है। भारत में एपीआईका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय दवा उद्योग में तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है और आज यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.72 प्रतिशत का योगदान देने लगा है एवं दवा उद्योग आज देश में रोजगार के करोड़ों अवसर निर्मित कर रहा है। भारतीय दवा उद्योग के वर्ष 2024 के अंत तक 6,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक 13,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। वर्ष 2013-14 के बाद से वर्ष 2021-22 तक भारतीय दवा निर्यात में 103 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई है। जेनेरिक दवाओं के वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत हो गई है, जिससे भारत को अब विश्व का फार्मेसी हब भी कहा जाने लगा है। केंद्र सरकार एपीआईके उत्पादन को भारत में बढ़ाने के उद्देश्य से एक समग्र एवं अनुकूल पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण करने पर जोर दे रही है।

भारतीय कृषि का अमृतकाल...

शिवराज सिंह चौहान

उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने के लिए सबसे जरूरी है अच्छे बीज, जो कम पानी और विपरीत मौसम में भी बेहतर उत्पादन में सक्षम हो सकें। ऐसे बीजों की 109 नई किस्में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्र और किसानों को समर्पित की हैं। बीते 10 वर्षों में कृषि परिदृश्य तेजी से बदला है। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण असंतुलन जैसी समस्याओं के बीच उत्पादकता बढ़ाने की चुनौती खड़ी हो गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए अगले 5 वर्षों में हमारा लक्ष्य जलवायु अनुकूल फसलों की 1500 नई किस्में तैयार करने का है। वर्तमान में विज्ञान से ही किसानों का कल्याण संभव है। मुझे अपने कृषि विज्ञानियों पर गर्व है, जो जलवायु अनुकूल किस्में तैयार कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि में किए जा रहे नवाचारों से कृषि एवं किसान कल्याण सुनिश्चित होगा। किसान होने के नाते मैं भलीभांति समझता हूं कि बढ़िया उत्पादन के लिए अच्छे बीज कितने आवश्यक हैं। अगर बीज उन्नत और मिट्टी एवं मौसम की प्रकृति के अनुकूल होंगे तो उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। मोदी जी ने यह समझा और व्यापक विजन के साथ इस दिशा में कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया। विविधता भारतीय कृषि की विशेषता है। यहां कुछ दूरी के अंतराल पर ही खेती का मिजाज बदल जाता है, जैसे मैदानी खेती अलग है तो पहाड़ों की खेती अलग। इन सभी भिन्नताओं और विविधताओं को ध्यान में रखते हुए फसलों की 109 नई किस्में जारी की गई हैं। इनमें खेती की 69 किस्में और बागवानी की 40 किस्में राष्ट्र को समर्पित कर दी गई हैं। भारत को ग्लोबल न्यूट्रिशन हब बनाने और श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिए मोदी सरकार पूरी तरह संकल्पबद्ध है। हमारा संकल्प है कि किसान के परिश्रम का उचित मूल्यांकन हो और उन्हें फसलों का उचित दाम मिले, इसके लिए हम न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद कर रहे हैं। किसानों की आय बढ़ाना हमारी प्राथमिकता में है और उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ भारत की चिंता भी रही है कि मानव शरीर और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित उत्पादन हो। आज भारत नई हरित क्रांति का साक्षी बन रहा है। हमारे अन्नदाता ऊर्जादाता तथा ईंधनदाता भी बन रहे हैं। मोदी जी के प्रयासों से खेती के साथ ही पशुपालन, मधुमक्खी पालन, औषधीय खेती, फूलों-फलों की खेती सहित अन्य संबंधित क्षेत्रों को सशक्त बनाया जा रहा है। पूर्ववर्ती सरकारों की प्राथमिकता में कृषि और किसान रहे ही नहीं, जबकि मोदी

जी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। वर्ष 2013-14 में कृषि मंत्रालय का बजट 27,663 करोड़ रुपए था, जो 2024-25 में बढ़कर 1,32,470 करोड़ रुपए हो गया है। यह बजट सिर्फ कृषि विभाग का है। कृषि से संबद्ध क्षेत्रों और फर्टिलाइजर सब्सिडी के लिए अलग बजट है। मोदी सरकार किसानों को यूरिया और डी.ए.पी. सस्ती दरों पर उपलब्ध करा रही है। यूरिया पर सरकार किसानों को करीब 2,100 रुपए जबकि डी.ए.पी. के एक बैग पर 1083 रुपए की सब्सिडी दे रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसान स्वावलंबी और सशक्त हुआ है। फसलों के नुकसान पर भी फसल बीमा योजना किसानों के लिए एक सुरक्षा कवच है। मोदी सरकार में किसान को सशक्त बनाने के लिए बीज से लेकर बाजार तक हर वह फैसला लिया, जो किसानों के लिए खेती को और आसान बनाए। उनकी मुश्किलें कम करे और मुनाफा बढ़ाए। इसी कड़ी में एक लाख करोड़ रुपए के एग्री इन्फ्रा फंड के जरिए कृषि से जुड़ा बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। पूरे देश में 700 से अधिक कृषि विज्ञान केंद्र किसान और विज्ञान को जोड़ रहे हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के जरिए टैक्नोलाजी से दूरदराज की हमारी माताओं-बहनों को भी जोड़ा जा रहा है। कृषि सखियों को प्रशिक्षण देने के पहले चरण में अब तक 35,000 कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। मोदी जी का विजन है कि भारत कृषि में आत्मनिर्भर बने। इस दिशा में भी रणनीति बनाकर कार्य किया जा रहा है। अगले 5 वर्षों में हम 18,000 करोड़ रुपए की लागत से 100 निर्यात केंद्रित बागवानी क्लस्टर बनाएंगे। किसानों के लिए मंडी तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए 1500 से अधिक मंडियों का एकीकरण किया जाएगा। साथ ही 6,800 करोड़ रुपए की लागत से तिलहन मिशन की शुरुआत कर रहे हैं। सब्जी उत्पादन क्लस्टर बनाने की भी तैयारी है। इससे छोटे किसानों को सब्जियों-फलों और अन्य उपजों के लिए नए बाजार और बेहतर दाम मिलेंगे। सरकार ने यह संकल्प भी लिया है।

सियासत ने बढ़ाई जाति की खाई?

भारतीय राजनीति और समाज में जाति बहुत पेचीदा मुद्दा रहा है। जाति व्यवस्था को सामाजिक कोढ़ बताने वालों का मानना था कि विकास और आधुनिकता के आने से जाति व्यवस्था अपने आप टूटती जाएगी। गांधी मानते थे कि अछूतोद्धार के जरिए समाज में बराबरी का संदेश जाएगा। उन्होंने इसकी कोशिश भी की। दूसरी तरफ बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर मानते थे कि सामाजिक विकास यात्रा में पीछे छूट गए लोगों को आरक्षण देकर पहले सबल बनाया जाना चाहिए। वह तबका सबल होगा तो जाति व्यवस्था में बराबरी का भाव आएगा। कांशीराम की सोच- लोहिया सोचते थे कि पिछड़ों को आर्थिक रूप से ताकतवर बनाकर आगे लाया जाए तो सामाजिक समानता का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कुछ ऐसी ही सोच दीनदयाल उपाध्याय की भी रही। लेकिन बहुजन आंदोलन के अगुआ कांशीराम की मान्यता रही कि पिछड़ों और दलितों को सत्ता मिले तभी जाति टूटेगी। वोट बैंक का असर-चारों वैचारिकी के आधार पर देखें तो सामाजिक रूप से जाति टूटती नजर आ रही है, लेकिन जैसे-जैसे आरक्षण की राजनीति आंबेडकर की बुनियादी सोच से आगे बढ़ने लगी, राजनीतिक रूप से जातियां अपने-अपने दायरे में और मजबूत होती गईं। 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' की सोच बढ़ने लगी। इसलिए हर जाति नए सिरे से गोलबंद होने लगी। अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने और बढ़ाने के लिए ये जातियां अपने किले को पहले से कहीं ज्यादा मजबूत करने लगीं। वोट बैंक की राजनीति ने इस प्रक्रिया को बढ़ावा दिया। जाति तोड़ने की सोच -सत्ता के लिए बहुमत हासिल करने के लक्ष्य को लेकर लगातार सक्रिय राजनीति ने जातीय समूहों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश में उनकी मांगों को उछालना शुरू किया। हर राजनीतिक समूह अपने हिसाब से अपनी समर्थक जातियों की राजनीतिक मांगों को जायज ठहराने लगा। इस पूरी प्रक्रिया में सामाजिक रूप से जाति को तोड़ने की सोच पीछे छूटती चली गई। दिलचस्प यह है कि जब कोई जातीय समूह किसी खास राजनीतिक ताकत का साथ छोड़ने लगा तो उसके हक और अधिकारों की मांग उस राजनीतिक ताकत के लिए गौण होने लगी। पूरी भारतीय राजनीति इसी प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ रही है। भारतीय संविधान में दलितों और आदिवासी समूहों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करते वक्त आंबेडकर ने इसे अनंतकाल तक चलाने से चेताया था। संविधान में शुरुआती दस साल के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था रखी गई थी। लेकिन जाति आधारित आरक्षण व्यवस्था ना सिर्फ आंबेडकर की सोच से आगे निकल गई है, बल्कि वह अनंतकाल तक चलते रहने के लिए अभिशप्त है। जाति जनगणना की मांग राजनीतिक समूहों द्वारा जातीय समूहों को यह यकीन दिलाने की कोशिश है कि वे उनके लक्ष्य के साथ खड़े हैं। चाहे गांधी रहे हों या आंबेडकर या फिर लोहिया, उनके विचारों और सिद्धांतों का बुनियादी मकसद सत्ता की राजनीति नहीं, सामाजिक समानता के जरिए भारतीय समाज का निर्माण था। लेकिन उनके नाम पर राजनीति करने वाले आधुनिक समूहों के साथ यह बात नहीं दिखती। समाजवादी धारा की मौजूदा राजनीति की प्रभावी ताकतों के पास भारतीय समाज बनाने का कोई ठोस सामाजिक कार्यक्रम नहीं है। उनमें जातीय उन्माद बढ़ाने और फैलाने का भाव ज्यादा नजर आता है। कांग्रेस की राजनीति अतीत में ऐसी अतिवादी नहीं रही है, लेकिन अब उसकी भी राजनीति उसी राह पर चल रही है। गौर करने की बात है कि जिन सवर्ण जातियों के खिलाफ बाकी जातियों को गुस्से से भरने में ये शक्तियां मशगूल हैं।

केंद्र ने 156 दवाओं पर लगाया प्रतिबंध

कहा- खतरनाक हो सकता है इनका इस्तेमाल, पैरासिटामोल भी बैन

नई दिल्ली, 23 अगस्त। सरकार ने बुखार, जुकाम, एलर्जी और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 156 फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। बाजार में अब ये दवाएं नहीं बिक सकेंगी। सरकार ने कहा कि ये दवाएं स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती हैं।

एफडीसी उन दवाओं को कहते हैं जिन्हें दो या दो से अधिक दवाओं को निश्चित अनुपात में मिलाकर तैयार किया जाता है। इस समय बड़े स्तर पर ऐसी दवाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन्हें कॉकटेल दवाएं भी कहा जाता है।

पैरासिटामोल पर लगा बैन– केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 12 अगस्त को जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने फार्मा कंपनियों द्वारा निर्मित दर्द की दवाओं के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले एसेक्लोफेनाक 50 एमजी + पैरासिटामोल 125 एमजी टैबलेट पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंधित एफडीसी में मेफेनामिक एसिड + पैरासिटामोल इंजेक्शन, सेट्रीजीन एचसीएल + पैरासिटामोल + फेनिलफ्रीन एचसीएल, लेवोसेट्रीजीन + फेनिलफ्रीन एचसीएल + पैरासिटामोल, पैरासिटामोल + क्लोरफेनिरामाइन मैलेट + फेनिल प्रोपेनोलामाइन और कैमिलोफिन डाइहाइड्रोक्लोराइड 25 मिलीग्राम + पैरासिटामोल 300 मिलीग्राम भी शामिल हैं।

पैरासिटामोल, ट्रामाडोल, टारिन और कैफीन के संयोजन पर भी प्रतिबंध– केंद्र ने पैरासिटामोल, ट्रामाडोल, टारिन और कैफीन के संयोजन पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। ट्रामाडोल दर्द निवारक दवा है। अधिसूचना के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्रालय ने पाया कि एफडीसी दवाओं का इस्तेमाल स्वास्थ्य के खतरानाक हो सकता है। जबकि सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। इस मामले की जांच केंद्र द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति ने की गई थी।

एफडीसी से खतरा हो सकता है– औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीटीएबी) ने भी इन एफडीसी की जांच की और सिफारिश की कि इन एफडीसी का कोई औचित्य नहीं है। अधिसूचना में कहा गया है, एफडीसी से खतरा हो सकता है। इसलिए जनहित में इन एफडीसी के निर्माण, बिक्री या वितरण पर प्रतिबंध लगाना जरूरी है। इस सूची में कुछ ऐसी दवाएं शामिल हैं जिन्हें कई दवा निर्माताओं ने पहले ही बंद कर दिया है।

पहले भी 14 एफडीसी पर प्रतिबंध लगाया गया– पिछले साल जून में भी 14 एफडीसी पर प्रतिबंध लगाया गया था। सरकार ने 2016 में 344 एफडीसी के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। इस फैसले को दवा कंपियों ने अदालत में चुनौती दी थी।

दसवीं और बारहवीं के लिए हो एक ही बोर्ड, छात्र भुगतते हैं खामियाजा

नई दिल्ली, 23 अगस्त। राज्यों के साथ मिलकर स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूती देने में जुटे केंद्र ने अब सभी राज्यों को दसवीं और बारहवीं के लिए एक ही स्कूली शिक्षा बोर्ड बनाने की सलाह दी है। केंद्र ने राज्यों को यह सलाह तब दी है, जब अभी भी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम सहित देश के आठ राज्यों में दसवीं व बारहवीं के लिए अलग-अलग स्कूली शिक्षा बोर्ड मौजूद है।

इतना ही नहीं, इनके परीक्षा व मूल्यांकन आदि का तरीका भी अलग-अलग ही है। हालांकि अब तक इन राज्यों में शामिल कर्नाटक ने केंद्र की सलाह को मानते हुए पिछले वर्ष ही अपने दसवीं और बारहवीं के सभी बोर्डों का आपस में विलय कर एक बोर्ड बना दिया है। शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि राज्यों में दसवीं और बारहवीं के एक शिक्षा बोर्ड होने से वह नौवीं से बारहवीं कक्षा तक पढ़ाई करने वाले छात्रों के विकास के लिए एक साझा रणनीति तैयार कर सकेंगे। जहां परीक्षा कराने से लेकर मूल्यांकन के एक जैसे मानक होंगे।

अभी इन सभी राज्यों में दसवीं और बारहवीं के शिक्षा बोर्डों के कामकाज का तरीका एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है। जिसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ता है। इसके चलते इन राज्यों में दसवीं और बारहवीं में छात्रों के प्रदर्शन में भारी अंतर भी देखने को मिलता है। फिलहाल नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आने के बाद शिक्षा मंत्रालय इन दिनों में राज्यों के साथ मिलकर शिक्षा में सुधार और एकरूपता लाने की कोशिश में जुटा हुआ है। मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा समय में देश में कुल 59 स्कूली शिक्षा बोर्ड है। इनमें तीन राष्ट्रीय स्तर और 56 राज्य स्तरीय बोर्ड है। इनमें से 41 बोर्ड ऐसे है, जो दसवीं और बारहवीं के लिए कॉमन बोर्ड है। देश के जिन आठ राज्यों में दसवीं और बारहवीं के लिए अलग-अलग शिक्षा बोर्ड है, उनमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, असम, केरल, मणिपुर, तेलंगाना और बिहार शामिल है।

एडीएम व्दारा पशु क्रूरता अधिनियम के तहत जब्त शुदा आठ वाहन राजसात

नीमच, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड व्दारा पुलिस थाना जावद के अपराध क्र.401/2023 म.प्र.गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 तथा पशु क्रुरता अधिनियम अंतर्गत आदेश पारित कर प्रकरण में जप्तशुदा आठ वाहन राजसात किए गए है। ए.डी.एम. श्रीमती गामड द्वारा जप्त वाहन ट्रक वाहन क्रमांक आ.जे.46 जी.ए.4517, ट्रक वाहन क्रं. आर.जे.21.जी.सी.2786, ट्रक वाहन क्रं.आर.जे.21.जी.सी.7786, ट्रक वाहन क्रं.आर.जे.21.जी.डी.1599, ट्रक वाहन क्रं.आर.जे. 21.जी.सी.9193, ट्रक वाहन क्रं.आर.जे. 21.जी.डी.9999, पिकअप वाहन क्रं.एम.एच.20.डी.ई.2873, पिकअप वाहन क्रं. एम.पी.14.जी.सी.2655 तथा उनमें क्रूरतापूर्वक ले जाए जा रहे कुल अवैध 96 नग बैल (गौवंश) को म.प्र. गौवंश प्रतिषेध अधिनियम पशु परिरक्षण अधिनियम व पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के उल्लंगघन के फलस्वमरूप म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध नियम के तहत शासन हित में राजसात करने का आदेश जारी किया है।

मंदसौर के संगीत शिक्षक निशांत शर्मा ने दी भारत एवं मलेशिया के प्रधानमंत्री के समक्ष तबला वादन की प्रस्तुति

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय, मंदसौर के सहायक व्याख्याता श्री निशांत शर्मा ने तबले पर एवं सितार पर सुश्री संस्कृति वाहने, उज्जैन, संतूर पर सुश्री प्रकृति वाहने, उज्जैन के द्वारा दिनांक 20 अगस्त 2024 हैदराबाद हाउस, नई दिल्ली में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, मलेशिया के प्रधानमंत्री श्री दातो सेरी अनमवर इब्राहिम के समक्ष प्रस्तुति दी गई। यह कार्यक्रम मलेशिया के प्रधानमंत्री के भारत आगमन पर स्वागत हेतु आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में दोनो देशों के प्रधानमंत्री के साथ भारत के माननीय विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर

प्रसाद, भारतीय एन.एस.ए. प्रमुख श्री अजीत ढोभाल एवं अन्य प्रमुख 20 सदस्य मौजूद रहें। दल द्वारा अपनी प्रस्तुती में रागों के साथ साथ मलेशिया के गीतों का प्रस्तुतिकरण किया गया, जिसे मलेशिया एवं भारत के प्रधानमंत्री द्वारा बहुत सराहा गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानीय जनों ने प्रस्तुती हेतु पुरे दल को बधाई एवं आशीष प्रदान किया।

कार्यक्रम के सफल पूर्ण होने पर लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय, मंदसौर प्राचार्य डॉ. उषा अग्रवाल, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेन्द्र त्रिवेदी, जनभागीदारी समिति विधायक प्रतिनिधि श्री विश्वास दुबे, डॉ. अल्पना रानी गांधी, श्री दीपक कुमार राव, श्री अतुल कुमार साकेत, श्री नितेश राठौर एवं समस्त महाविद्यालयीन परिवार ने श्री निशांत शर्मा को बधाईयां प्रेषित की।

प्रधानमंत्री घोषणा पत्र का वादा निभाएं, 70 वर्षीय वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाएं- पार्षद बंसल

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पार्षद और समाजसेवी श्री सुनिल बंसल

ने एक वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव घोषणा पत्र में 70 साल से उप्रर के सीनियर सिटीजन व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की घोषणा अपनी पार्टी के घोषणा पत्र में की थी उससे प्रभावित होकर इस आयु समूह के कई मतदाताओं ने मतदान भी उस पार्टी के पक्ष में किया परंतु देखने में आया कि उस विषय पर अभी तक सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया ना ही कोई दिशा निर्देश जारी हुए। श्री बंसल ने कहा कि जो वृद्धजन बीमार हैं, जो सक्षम नहीं है सुविधा का लाभ लेना चाहते हैं पर वे दर-दर भटक रहे हैं। श्री बंसल ने इस विषय पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता से भी चर्चा की तो उनने बताया अभी कोई कदम नहीं उठाया गया है। बंसल ने उनसे कहा कि जब घोषणा पत्र में यह वादा है तो इस विषय को लेकर आपको तुरंत बात करनी चाहिए तो उन्होंने जल्द ही बात करने का आश्वासन दिया। इस बात को भी लगभग 25 दिन हो चुके हैं। कोई ठोस कदम जनता के बीच दिखता नहीं है कि कब आयुष्मान कार्ड की कार्य योजना बनेगी। श्री बंसल ने सांसद श्री सुधीर गुप्ता व राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और देश के स्वास्थ्य मंत्री को एक पत्र लिखकर मांग की है कि तुरंत युद्ध स्तर पर तैयारी कर 70 वर्षीय वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड बनाए ताकि जनता को राहत मिले और महंगे इलाजों में फायदा मिले।

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में संस्कृत महोत्सव मनाया

एमए संस्कृत प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को नकद राशि से पुरस्कृत किया

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर के संस्कृत विभाग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा केन्द्रीयसंस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और संस्कृत भारती मंदसौर के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह और संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत महोत्सव एवं संस्कृत प्रतिभा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्कृत की आवश्यकता क्या है? इस विषय पर विशिष्टव्याख्यान और महाविद्यालय स्तर पर संस्कृत विषय की प्रावीण्य की सूची में स्थान प्राप्त संस्कृत प्रतिभाओं एवं संस्कृत गीत, श्लोक गायन तथा भाषण इत्यादि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ भारतीय परंपरानुसार वाग्देवी हंस वाहिनी बुद्धि की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के श्री चरणों में पुष्पार्पण और माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वन्दना के साथ हुआ। महाविद्यालय पक्ष से आमन्त्रित आए हुए अतिथियों, मुख्य वक्ता, विशिष्टातिथि एवं अन्य अतिथियों को तिलक लगाकर माला पहनाकर, शाल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण डॉ. प्रीति श्रीवास्तव महोदया जी (संस्कृत विभागाध्यक्ष) ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्कृत भारती के प्रान्तीय सदस्य डॉ. मिथिलेश नागर जी ने संस्कृत भाषा का महत्व बताते हुए कहा कि संस्कृत देव भाषा है। मैं स्वयं गणित विषय में एम.एस.सी. होते हुए भी संस्कृत के ज्ञान भण्डार को देखते हुए इसके प्रति आकृष्ट हुआ। संस्कृत विश्व बंधुत्व की भाषा है यह परस्पर एक दूसरे को आपस में जोड़ती है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' संस्कृत का मूल मंत्र है। भारतीय जीवन दर्शन को समझने के लिए संस्कृत का अध्ययन परम आवश्यक है। श्री नागर जी ने आगे कहा कि संस्कृत भाषा अत्यंत सरल एवं मधुर है लोगों को जीवन जीने का मार्गदर्शन करती है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा सञ्चालित 'संस्कृताध्ययनकेंद्रम्' मन्दसौर विश्वविद्यालय मन्दसौर के वरिष्ठ आचार्य श्री ओमप्रकाश द्विवेदी ने कहा कि संस्कृत भाषा विश्व की सबसे प्राचीन भाषा होते हुए भी आधुनिक भाषा है, क्योंकि यह संस्कृत भाषा ज्ञान विज्ञान का सागर है। विश्व की सभी भाषाओं एवं संस्कृतियों के अस्तित्व का आधार है, कंप्यूटर के लिए सबसे उपयुक्त संस्कृत है। आज संस्कृत के बिना भारत की कल्पना करना अपूर्ण है। संस्कृत वाङ्मय में वेद, पुराण, उपनिषद, महाभारत, रामायण, श्रीमद् भगवतगीता, योग, आयुर्वेद, वेदांत और अन्य अनेक ग्रंथ है, जो की समग्र विश्व शान्ति एवं उत्तरोत्तर विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। आचार्य ओमप्रकाश द्विवेदी ने संस्कृत का अध्ययन एवं अध्यापन संस्कृत के माध्यम से करने पर विशेष आग्रह किया। इस पावन अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. के. आर. सूर्यवंशी महोदय (विभागाध्यक्ष संस्कृत) ने कहा कि ज्ञान समृद्ध संस्कृत भाषा में सन्निहित ज्ञान विज्ञान को प्राप्त करने के लिए, समझने के लिए संस्कृत का अध्ययन परम आवश्यक है। संस्कृत भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की संवाहिका है। अतः एक सुन्दर सभ्य समाज की कल्पना संस्कृत के बिना असंभव है इसलिए आज हम सभी को संस्कृत पढ़ना और सीखना चाहिए। संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत सप्ताह समारोह मनाने के लिए महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चन्दवानी एवं प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता द्वारा प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अत्यन्त हर्ष की बात है कि महाविद्यालय में वर्तमान में बी.ए. एवं एम.ए. (संस्कृत) में लगभग 800 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल कुमार आर्य जी ने संस्कृत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज भारत में ही नहीं समग्र विश्व में लोग संस्कृत का अध्ययन कर रहे हैं और इसी के साथ डॉ. अनिल आर्य द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण भी किया गया। साथ ही संस्कृत सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. वन्दना शुक्ला द्वारा प्रदत्त एक लाख राशि के ब्याज से एम. ए. (संस्कृत) में सर्वाधिक अंक लाकर विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की स्वर्ण पदक विजेता भावना रायकवार को संस्कृत प्रतिभा पुरस्कार के रूप में 1500 रुपए नकद प्रदान किए गए। द्वितीय स्थान प्राप्त दीपमाला को 1000 एवं तृतीय स्थान प्राप्त सीमा सेठिया को 500 रूपए का नगद पुरस्कार दिया गया। संस्कृत सप्ताह के इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ में अनेक अभिभावक भी उपस्थित रहे।

एआईओसीडी द्वारा नारकोटिक्स विभाग के प्रस्तावित नियमों का विरोध

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर ज़िला केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के ज़िला अध्यक्ष मनीष चौधरी एवम् सचिव पंकज सुराणा ने बताया हे कि ऑल इंडिया ऑर्गेनाइशन ऑफ़ केमिस्टस एण्ड ड्रगिस्ट (एआईओसीडी)सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मेडिसिन डीलर्स एसोसिएशनों का एक प्रतिनिधि निकाय है ,जो कि भारत के कोने कोने तक भी ज़रूरतमंद लोगो को आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायक रहता है।

सीबीएन द्वारा हाल ही में की गयी सार्वजनिक अधिसूचना दिनांक 5 अगस्त 2024 में दवा विक्रेताओं, केमिस्टों और स्टॉकिस्टों को विभाग की बेब साइट पर समय-समय पर डेटा दर्ज करने का आदेश दिया गया है, जिसमें नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रोपिक दवाओं की आपूर्ति को अवैध चौनल की ओर मोड़ने का कारण बताया गया है।उक्त सार्वजनिक नोटिस के कार्यान्वयन और प्रारूप की जटिलता पर कई चिंताएं प्राप्त होने पर एआईओसीडी को डर है कि यदि इसे लागू किया गया तो संगठन के सदस्य ऐसे फॉर्मूलेशन से निपटने से खुद को इन दवाओं से दूर रख सकते हैं। एआईओसीडी के अध्यक्ष श्री जे.एस. शिंदे ने कहा कि, व्यापारियों - वितरकों, स्टॉकिस्टों, केमिस्टों/खुदरा विक्रेताओं द्वारा पंजीकरण करने और 30 सितंबर 2024 तक साइकोट्रोपिक पदार्थों के लिए सीबीएन ऑनलाइन पोर्टल पर त्रैमासिक रिटर्न जमा करने के लिए सभी हितधारकों को एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया गया है। इस संबंध में एआईओसीडी द्वारा भारत के नारकोटिक्स आयुक्त को एक विस्तृत ज्ञापन भेजा गया है जिसकी प्रति संलग्न हैं।

एआईओसीडी के महासचिव राजीव सिंघल ने कहा कि, नियम 65 केवल साइकोट्रोपिक पदार्थों के निर्माताओं पर लागू होता है और यह दवा व्यापार पर लागू नहीं होता है। देशभर में करीब 10 लाख व्यापारियों द्वारा पंजीकरण और जटिल त्रैमासिक रिटर्न दाखिल करने से प्रशासनिक बोझ बढ़ जायेगा और इससे व्यापारियों और सीबीएन को भी अनुचित कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। व्यापारियों - वितरकों, स्टॉकिस्टों, केमिस्टों को अनुपालन के लिए एक अन्य बाहरी सलाहकार की आवश्यकता होगी। खासकर भारत के ग्रामीण इलाकों में. देश के कई क्षेत्रों में इंटरनेट और बिजली कटौती बहुत आम है। कानूनों के कड़े प्रावधानों को देखते हुए, यह आशंका है कि केमिस्ट उत्पीड़न, अनजाने या प्रक्रियात्मक चूक के मामले से बचने के लिए इन दवाओं का वितरण नहीं करना पसंद करेंगे, क्योंकि एनडीपीएस अधिनियम के दंडात्मक प्रावधान कठोर हैं। इन परिस्थितियों में, वर्तमान सार्वजनिक नोटिस, जिसका उद्देश्य व्यापारियों को नियम 65 के दायरे में लाना है, इन सबसे देश में आवश्यक दवाओं की कमी पैदा कर सकता है और यह स्थिति को और खराब कर देगा। एआईओसीडी ने नारकोटिक्स विभाग से अनुरोध किया है कि उपरोक्त तथ्यों और वस्तुगत तथा जमीनी हकीकत की जटिलता को देखते हुए व्यापारियों को नियम 65 के दायरे से बाहर रखा जाए और सार्वजनिक नोटिस में तत्काल प्रभाव से संशोधन किया जाए।

तलाई के सौंदर्यीकरण के चलते अतिक्रमण हटाया जाएगा

पिपलियामंडी, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद् से अतिक्रमण हटाने के नोटिस मिलने के बाद अयोध्या बस्ती वार्ड 7, 8, 9 के रहवासियों ने नगर परिषद् पहुंच हंगामा कर दिया। शुक्रवार को दोपहर रहवासी हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द्र के साथ नगर परिषद् पहुंचे और नगर परिषद् द्वारा दिए गए नोटिस का विरोध किया। रहवासियों का कहना था नगर परिषद् हमें बेघर कर रही है। जबकि मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रवीण सेन का कहना है कि तलाई का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, इसके लिए अतिक्रमण हटाया जा रहा है, किसी को बेघर नही किया जाएगा।

नप ने 7 दिन में कहा अतिक्रमण हटाने की:- जानकारी के अनुसार नगर परिषद् ने 21 अगस्त को नगर परिषद् ने करीब 50 लोगों को नोटिस जारी किए, जिसमें लिखा कि टीलाखेड़ा तलाई का विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा रहा है, मौके पर किए गए अतिक्रमण से विकास कार्य की गति प्रभावित हो रही है। 7 दिवस के भीतर तालाब पर किए गए अतिक्रमण को स्वतः हटा लेवे अन्यथा निकाय द्वारा अतिक्रमण हटाया जाएगा, जिसमें होने वाला व्यय आपसे वसूल किया जाएगा।

आक्रोशित हुए रहवासी पहुंचे नप कार्यालय:- अतिक्रमण हटाने का नोटिस मिलने के बाद रहवासी आक्रोशित हो गए, रहवासियों का कहना था कि नप के कर्मचारी उन्हें नोटिस देने आए तो बोले की घर का सामान खाली कर लेना अन्यथा अंदर ही रह जाएगा। रहवासियों का कहना था कि नप कर्मचारी मकान तोड़ने की बात बोलकर गए। आक्रोशित रहवासी शुक्रवार को किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द, पार्षद बाबू मंसूरी, पार्षद प्रतिनिधि भूपेन्द्र महावर व अशोक कोहली, ओमप्रकाश नाई सहित बड़ी संख्या में रहवासी नगर परिषद् कार्यालय पहुंचे व नारेबाजी कर विरोध जताया। सीएमओ के आश्वासन देने के बाद नारेबाजी समाप्त हुई।

जोकचन्द का आरोप, गरीबों को दबाया जा रहा:- किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द्र ने आरोप लगाया कि नगर परिषद् गरीबों को दबाने का कार्य कर रही है, उन्हें घर से बेदखल करने का कार्य किया जा रहा है। है, गरीबों पर अत्याचार हो रहे है उन्हें सताया जा रहा है, अब तो उन्हें घर से बेदखल करने के नोटिस जारी किया गया। पट्टा, नल, बिजली कनेक्शन होने व प्रधानमंत्री आवास होने के बाद भी उन्हें नोटिस जारी किया गया, यह सरासर अन्याय है, अगर गरीबों को बेदखल किया तो जन आंदोलन किया जाएगा, गरीबों की एक ईट नही हिलने देंगे।

सीमांकन करवा रहे है, अतिक्रमण हटाया जाएगा:- सीएमओ प्रवीण सेन का कहना है किसी को घर से बेदखल नही किया जा रहा है, तलाई के आस-पास सौंदर्यीकरण करवाया जाना है, पट्टे के अतिरिक्त किया गया अतिक्रमण हटाया जाना है, सीमांकन करवा रहे है। इसके चलते अतिक्रमण कर्ताओं को नोटिस भेजे गए है।

विवाह के सम्बंध सुनिश्चित नहीं हो तो यह करें उपाय-शास्त्री

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नरसिंहपुरा स्थित चारभुजा धर्मशाला में बाथरा परिवार द्वारा आयोजित स्व. नाथुलाल व स्व. मुरिबाई की स्म्रति में श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव के आज तीसरे दिवस की कथा में धारियाखेड़ी वाले पंडित भीमाशंकर शास्त्री ने कहा जो बालक व बालिका विवाह के लिये भटक रहे है।वे इस उपाय को करने के बाद जब 06 माह के भीतर विवाह हो जाये तो एक नारियल हनुमान जी को भेंट कर दीजिएगा।महेंद्र जी नामक मनासा के रहने वाले व्यक्ति के बेटे का 04-05 माह में सम्बन्ध सुनिश्चित हो गया।यह बात पूरे पांडाल में स्वयं उस व्यक्ति द्वारा बताई गई।आगे पंडित भीमाशंकर शास्त्री द्वारा कहा गया कि बालक या बालिका के कुंडली के कैसा भी योग हो यह उपाय करने से सम्बन्ध सुनिश्चित हो जाता है। विवाह का उपाय करने हेतु खोपरे के गोले व देशी गाय का घी दो चार बूँद ले खोपरे के गोले ढक्कन जैसा काट लो।इसके अंदर शक्कर आटा घी मिलाकर खोपरे गोले को फिर से ढक्कर मंगलवार के दिन सूर्योदय से पूर्व बिना हाथ,मुँह धोये बिना कुल्ला कर एक दिशा में गाड़ देवे। और फिर प्रणाम करे।अगले मंगलवार भी इसी विधि को दोहराये।ऐसा लगातार 5 मंगलवार करना है।

पंडित भीमाशंकर शास्त्री द्वारा रजक सोलह साल को छोड़ने की बात बताकर यह क्यो करना उचित है केडी के लिए खोपरे के गोले को गाड़ा जाता है।सूर्योदय से पूर्व व सुर्यास्त के बाद 1 बार 21 गांव जिमाने का विधान बनता है।यह भी बताया गया कि अब इस काल मे विवाह के लिए मामला आटा साठा तक आ गया।कर्नाटक बंगलौर में प्रचलन के तौर पर उभर रहा है।पंडित भीमाशंकर शास्त्री द्वारा कहा गया कि हरकुल में सतीमाता होती है।सतीमाता मिलने के लिए यह उपाय करें।मंगलवार के दिन एक सुपारी के उपर लच्छा बांधना व पूजा करना।सबसे बुजुर्ग को नारियल मत खिलाना।व 11 मंगलवार करवाना।01 वर्ष में सती माता मिल जाएगी ।पंडित भीमाशंकर शास्त्री ने महिलाओं से आग्रह किया कि पति को प्रणाम अवश्य करे।भरे पांडाल कथा असर दिखने लगा और तुरंत अपने आसान से उठकर महिलाओं ने कथा सुन रहे हजारो लोगो के बीच पति को प्रणाम किया।इस पर पंडित भीमाशंकर शास्त्री द्वारा अखंड सौभाग्यवती भवः का आशीर्वाद दिया।ततपश्चात अंतिम में आरती संपन्न हुई। इस अवसर पर रूपलाल बाथरा, रमेशचंद्र बाथरा, राजमल बाथरा, मदनलाल बाथरा, कन्हैया लाल बाथरा, नटवर बाथरा, लोकेंद्र बाथरा ,सुरेंद्र बाथरा सहित समस्त बाथरा परिवार उपस्थित रहा।

शिव सैनिकों ने किया ममता बेनर्जी का पुतला दहन

बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शिवसेना महाराष्ट्र मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदेशिवसेना मध्य प्रदेश प्रभारी थानेश्वर महावर प्रदेश प्रभारी सुरेश गुर्जर प्रदेश राज्य प्रमुख राजीव चतुर्वेदी, प्रदेश उपराज्य प्रमुख डॉ महेंद्र सिंह, उज्जैन संभाग प्रमुख शांतिलाल पाटीदार, संभाग संगठन प्रमुख अशोक शर्मा, जिला प्रमुख कमलेश राजगुरु, महिला जिला प्रमुख श्रीमति विद्युतलता गुप्ता के नेतृत्व में शिव सेनिको ने किया गांधी चौराहा के सामने पुलताघाट पर ममता बेनर्जी का पुतला दहन कर बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जिलाप्रमुख श्रीमति विद्युतलता गुप्ता द्वारा बताया गया की बागलादेश में हो रहे हिन्दुओ पर अत्याचार विषयक महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा गया। भारत के पडोसी देश बंगलादेश में हुवे सत्ता परिवर्तन के बाद वहाँ के अल्पसंख्यक हिन्दुओ पर हो रहे क्रूर अमानवीय अत्याचार और हत्याएं, हिन्दुओ महिलाओ के साथ सामुहिक बलात्कार कर हत्याएं करने के विरोध मे शिव सेना जिला मंदसौर और संभाग पदाधिकारीयो द्वारा कडे शब्दो मे निन्दा करते है, मांग में कहा हमारे देश के प्रधानमंत्री तक हमारी बात पहुँचा कर बंगलादेश मे हो रहे हिन्दुओ पर अमानवीय अत्याचार और हत्याओ को रोकने के लिये सख्त कार्यवाही की जाये। शिव सेना द्वारा पंश्चिम बंगाल में अमानविय तरीके से महिला डाक्टर की हत्या तथा रेप करने वाले दोषीयों को बिच चौराहा पर फासी देने की मांग की हमारे देश पश्चिम बंगाल मे हो रहे अमानवीय अत्याचारो, बलात्कारो पर राज्य शासन का नियत्रंण खत्म हो चूका है बंगाल में राष्ट्रपति शासन राष्ट्रहित मे लगाये जाने की भी मांग करते है। ज्ञापन देते समय जिला सचिव बंटी कुमावत, जिला प्रभारी राजेश गोस्वामी, जिला मंदसौर नगर प्रमुख गोलू पंडित, सदस्य कमलसिंह डोडीया, जिला कमांडो राकेश प्रधान, जिला उपप्रमुख नरसिंह बैरागी, मंदसौर तहसील प्रमुख ओमप्रकाश यादव, सुवासरा तहसील प्रमुख श्याम सिंह पवार, श्यामगढ सेक्टर प्रमुख चांदमल खाती पटेल रमेश तंवर, महिला टीम से ममता गोस्वामी, सीता मालवीय, प्रिया किशोरी, संगीता मालवीय, ज्योती मालवीय मनोरमा जटीया आदि शिव सैनिक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या उमावि बालागंज मंदसौर में दिनांक 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया जिसमें विद्यालय के प्राचार्य महोदय श्री सुदीप दास ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धि पर प्रकाश डाला एवं चंद्रयान-1 (2008) चंद्रयान–2 (2019) एवं आदित्य एल–1 मिशन के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय की कक्षा 9वी की छात्रा कुमारी स्वाती पंडित ने इस अवसर पर विषय 'चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना, भारत की अंतरिक्ष गाथा' एवं चंद्रयान-3 के बारे में भाषण दिया ।इस अवसर पर एकीकृत विद्यालय के विद्यार्थियों मीनाक्षी ,नंदिनी, जिगर, धिरांशु ,रितेश ,इशियाना ,अंबिका, आस्था ,मनीषा, मंतशा, फरीन, रक्षा, राधिका,खुशी ,प्राची, तनु , हंसा ,रवीना, शिप्रा, अंतिमबाला ,प्रीतिका एवं अक्षरा ने विभिन्न मॉडल एवं चार्टर्स बनाकर प्रदर्शनी लगाई। इस अवसर पर एकीकृत शासकीय कन्या उ मा वि बालागंज मंदसौर का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कार्यशाला सम्पन्न

मनासा, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। आज 23 अगस्त 2024 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' अवसर पर कार्यशाला समारोह पूर्वक शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय में आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था प्राचार्य डॉ. एम. एल.धाकड़ ने मां सरस्वती की तस्वीर पर पुष्पमाला अर्पित कर की। प्रो.पंकज रसानिया द्वारा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के इतिहास उद्देश्य कार्यों पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों के मन में अंतरिक्ष के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए डॉ. देवीलाल सुथार द्वारा विक्रम साराभाई के जीवनवृत भारतीय अंतरिक्ष मिशन चंद्रयान एवं गगनयान संबंधी महत्वपूर्ण मिशनों का रिकॉर्ड प्रसारण किया गया। खगोल घटना एवं अंतरिक्ष विज्ञान संबंधित पोस्टर पेंटिंग, प्रश्न मंच प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया एवं विजेताओं को प्रमाण पत्र पुरस्कार देकर मंच से मंचासीन अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठक अरुण कुमार चौरसिया एवं अंत में आभार प्रदर्शन कार्यक्रम संयोजक प्रो. मुकेश मालवीय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय विद्यार्थी स्वयंसेवक के साथ शिक्षकगण डॉ स्मिता रावत, सुदेश कलम सुमित मेडा, डॉ. आशीष द्विवेदी, डॉ. आमोद शर्मा, प्रदीप अहिरवार मृदुलता सिकरवार एवं सपना मीणा मौजूद थे।

आठ प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र संचालित, रियायती दरों पर मिल रही है औषधियाँ

नीमच, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में मरीजों को रियायती दरों पर औषधियॉ उपलब्ध कराने के लिए आठ स्थानों पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधी केंद्र संचालित किए जा रहे है। इन जनऔषधी केंद्रों पर जेनेरिक दवाईयां रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए है, कि शासकीय चिकित्सको को निर्देशित करें कि यदि कोई दवाई शासकीय चिकित्सालय में उपलब्धि नहीं है, तो वह दवाई अनिवार्य रूप से जनऔषधी केंद्रों से प्राप्त करें। कलेक्टर ने निजी चिकित्सकों से भी कहा है, कि वे मरीजों को जनऔषधी केंद्रों से रियायती मूल्य पर दवाई लेने के लिए प्रेरित करें।

मुख्य चिकित्सा एवं .स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया कि नीमच शहर में प्लाट नम्बर 33 शास्त्री नगर विमल क्लीनिक के पास नीमच में श्री प्रदीप कुमार त्रिवेदी व्दारा जनऔषधी केंद्र संचालित किया जा रहा है। जावद में दुकान क्रमांक 6 दीनदयाल उपाध्याय कॉम्पलैक्स नीमच रोड जावद में श्रीमती पुजा चंद्रावत, सहकारी समिति दुकान नम्बर 7 सरवानिया महाराज में श्री कुलदीप कुमार जैन, बस स्टैण्ड रोड़ मनासा पर श्री सुनील भील, सहकारी समिति बस स्टैमण्ड एरिया पिपलिया रावजी तहसील मनासा में श्री विजय ओझा एवं श्री विजय सिह राजपूत, सहकारी समिति दुकान नम्बर 2 जीरन चीताखेडा रोड, जीरन में सहकारी समिति प्रबंधक श्री गोपाल सिह रौठार, सहकारी समिति दुकान नम्बर 7 बस स्टैण्ड रतनगढ़ पर प्रबंधक श्री संतोष कुमार शर्मा एवं सहकारी समिति गांधी सागर रोड़ रामपुरा में प्रबंधक श्री रूपेश कुमार सारू व्दारा जन औषधी केंद्र संचालित किए जा रहे है। इन केंद्रों पर रियायती दरों पर जेनेरिक दवाईयां उपलब्ध है। आमजन इन औषधी केंद्रो से रियायती दर पर जैनेरिक दवाईयॉ क्रय कर सकते है। मुख्य चिकित्सां अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया कि जन औषधी केंद्रों पर मिलने वाली दवाईयॉ उच्च गुणवत्तां एवं मानक की होकर बाजार में प्रचलित ब्रांडेड दवाईयों की तुलना में अत्यंति कम दरों पर उपलब्ध है। उन्होने जिले के ऐसे सभी मरीज जिन्हें निरंतर दवाईयों की आवश्यकता होती है, और वे बाजार से खरीदकर ब्रांडेड दवाईयॉ ले रहे है, उनके लिए जन औषधी केंद्र बेहतर विकल्प है। मरीज अपने निकट के जन औषधी केंद्रों से रियायती दरों पर दवाईयां प्राप्त कर सकते है।

जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जायेगा

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा बताया गया कि जिले में 26 अगस्त 2024 को जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इसके लिये जिले में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए है। जिले में भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों के साफ-सफाई कार्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा एवं मित्रता के प्रसंग तथा जीवन दर्शन के पर आधारित विभिन्न विषयों पर विद्वानों के माध्यम से सभी शासकीय/अशासकीय स्कूल/कॉलेज में व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाए। जिले के ऐसे स्थल जहाँ भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में जुड़े विशेष प्रसंग रहे है। प्रसंगों के अनुकूल जन्माष्टमी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। शास्त्र सम्मत मंदिर निर्माण के स्थापत्य एवं उनकी विशिष्टयों को इन अवसरों पर प्रसारित किया जावें। मंदसौर जिले के गौरवशाली इतिहास के प्रसंगो, कथानकों, आख्यानों से सभी वर्गो को अवगत कराने के हेतु प्रसारित किया जावें। जनमाष्टमी के अवसर पर के सभी शासकीय/अशासकीय स्कूल/ महाविद्यालयों में भारतीय विशिष्ट परंपराओं, योग आदि व्याख्यान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाए।

जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन 28 को

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। रोजगार संचालनालय म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग द्वारा बताया गया कि जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजना किया गया है। रोजगार मेले का आयोजन 28 अगस्त 2024 को प्रातः 11 बजे शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नयाखेड़ा में आयोजित किया जाएगा।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	20	2504	2665
उडद	1	2901	2901
सोयाबीन	5100	3650	4460
गैहु	3600	2750	3346
चना	170	5900	7342
मसुर	150	4740	6091
धनिया	185	5099	6401
लहसुन	12200	11300	26500
मैथी	540	4671	5770
अलसी	800	5551	5931
सरसो	312	5000	5500
तारामीरा	1	4450	4450
इसबगोल	76	10000	12400
प्याज	1550	1400	3760
कलोंजी	39	13001	18600
डॉलर	23	11001	13800
तिल्ली	40	9800	12151
मटरसुखी	8	3325	6960
असालीया	35	9401	10691

दिनांक 24 अगस्त 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

दारिद्रय योग...

❊ यदि किसी जन्म कुंडली में 11वें भाव का स्वामी 6, 8 अथवा 12वें भाव में स्थित हो तथा धन भाव का अधिपती भी अशुभ स्थिति मे हो तो ऐसी कुंडली में दारिद्रय योग बन जाता है।दारिद्रय योग के प्रबल प्रभाव में आने वाले जातकों की आर्थिक स्थिति जीवन मे अधिकांश खराब ही रहती है तथा ऐसे जातकों को अपने जीवन में अनेक बार आर्थिक संकट का सामना करना पडता है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

चारभुजा पैदल यात्रा नीमच से प्रस्थान करेगी

नीमच, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्री चारभुजा मित्र मंडल जिला नीमच के तत्वावधान में विगत 34 वर्षो की परंपरा अनुसार पद यात्रियों का समूह नीमच से चारभुजानाथ तीर्थ के लिए 6 सितम्बर षुक्रवार को सुबह 8 बजे प्रस्थान करेगा। पदयात्री 6 सितम्बर को प्रातः 8 बजे बारादरी चौराहा के समीप नया बाजार स्थितश्री बड़े बालाजी मंदिर में दर्शन पूजा अर्चना के बाद प्रस्थान करेंगे। पदयात्री बैंड बाजों पर भजन कीर्तन की स्वर लहरियों के साथ निकलेंगे। पदयात्री हाथों में चारभुजा की केसरिया ध्वजा लिए पैदल समूह में निकलेंगे। यात्री बारादरी चौराहे से बजरंग चौक बिहार गंज नया बाजार नरसिंह मंदिर श्री राम चौक घंटाघर कमल चौक गायत्री मंदिर से नयागांव होते हुए निंबाहेड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे। सभी पैदल यात्री मार्ग में आयोजित भजन सुंदरकांड एवं आरती में अनिवार्य रूप से सहभागी बनेंगे। यात्रा के मार्ग में स्थान स्थान पर श्रद्धालु भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा कर आत्मीय अभिनंदन किया जाएगा।

मंडल सेवक राजेंद्र मंडोवरा व हेमंत अजमेरा ने बताया कि पदयात्रा नीमच, जावद, कनेरा एवं सरवानिया महाराज से 6 सितम्बर षुक्रवार को ही प्रस्थान करेगी जहां से नयागांव में यात्रियों का संगम होगा तत्पश्चात निंबाहेड़ा के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। पदयात्रा 7 सितम्बर शनिवार को निम्बाहेडा से आवरी माता के लिए प्रस्थान करेगी। इसके बाद 8 सितम्बर रविवार को आंवरी माता से सांवरियाजी मण्डफिया के लिए प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार यात्रा 9 सितम्बर सोमवार शनिदेवजी से आकोला के लिए प्रस्थान करेगी। 10 सितम्बर मंगलवार को फतेहनगर से प्रस्थान कर नाथद्वारा पहुंचकर रात्रि विश्राम करेगी। 11 सितम्बर बुधवार को प्रातः श्रीनाथजी दर्शन करने के बाद यात्रा राजनगर के लिए प्रस्थान करेगी। जहां से 12 सितम्बर गुरूवार को चारभुजा जी पहुंचेगी। 13 सितम्बर शुक्रवार को रोकडिया हनुमानजी व 14 सितम्बर शनिवार को एकादशी उत्सव चारभुजा जी में सहभागी बनेगी। इसके बाद 15 सितंबर रविवार को चारभुजा जी से प्रातः 9:30 बजे प्रसादी लेकर दोपहर 12:30 बजे अपने अपने क्षेत्र के लिए वापस प्रस्थान करेगी। पदयात्री अधिक जानकारी के लिए चारभुजा मित्र मंडल के पदाधिकारियों सदस्यों से संपर्क कर सकते हैं।

कब बनी और कब तक शुद्ध रहेगी, किसी को नहीं पता...

मिठाई में दुकानदारों की सेफ्टी, इन्हीं की ग्यारंटी के भरोसे शुद्धता

निर्देशों की बना दी भोंगली, जिम्मेदार बने लापरवाह

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। त्योहारों के सीजन में मिठाई धड़ल्ले से खरीदी जा रही है। लेकिन, मिठाई की शुद्धता दुकानदार की मौखिक गारंटी के भरोसे हैं। यह कब बनी है और कब खराब होगी या जवाब दे चुकी है, इसका किसी को नहीं पता। इसका कारण है जिम्मेदारों की लापरवाही। दरअसल फूड सेफ्टी एंड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने दो साल पहले खाद्य सुरक्षा के नए नियम जारी किए थे। इसमें दुकानों पर हर मिठाई के बनाने का समय, उसकी एक्सपायरी सहित अन्य जानकारियां दाम के साथ लिखी जाना अनिवार्य किया था। आज तक नियम कागजों से बाहर नहीं आ सके। जिले में खाद्य अधिकारी भी निष्क्रिय हैं। रक्षाबंधन पर्व निकल गया, लेकिन न कोई जांच हुई है और न कोई निरीक्षण।

शासन लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा कानून में आए दिन नए बदलाव कर इसे सख्त कर रहा है। सुरक्षा के लिए पैकिंग व खुली सामग्री विक्रय के लिए कई नियम बनाए है। जिलास्तरीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते आज तक इन नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं हुआ है। ऐसे में लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। फूड सेफ्टी एंड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने दो वर्ष पहले अक्टूबर में खुली मिठाइयों की ट्रे के सामने जिस तरह रेट की पर्ची लिखी जाती है उसी तरह बनाने का समय व एक्सपायरी डेट भी लिखना अनिवार्य किया था। इसको लेकर अक्टूबर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मिठाई दुकान संचालकों की बैठक लेकर समझाइश दी व नियमों के बारे में बताया। उस समय कुछ ही दुकानदारों ने नियमों का पालन किया। अधिकारियों की लापरवाही के चलते सभी नियम हवा हो गए। रक्षाबंधन पर मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ रही। लेकिन, खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक भी जगह जांच करना उचित नहीं समझा।

किस मिठाई की कितने दिनों की है मियाद...

एक दिन–कलाकंद, बटर स्कॉच कलाकंद, चॉकलेट कलाकंद।

दो दिन–दूध से बने आयटम मिल्क बादाम, रसगुल्ला, रबडी, रसमलाई, शाही टोस्ट, मलाई रोल, बंगाली रबडी, रस काटा, खीर मोहन।

चार दिन–घेवर तिल बुग्गा, केसर कोकोनट लड्डू, मोतीचूर मोदक, खोया बादाम, फ्रूट केक, पेड़ा, प्लेन बर्फी, मिल्क बर्फी, सफेद पेड़ा, बूंदी लड्डू, लाल लड्डू व कोकोनट बर्फी।

सात दिन– काजू कतली, घेवर, मूंग बर्फी, आटा लड्डू, ड्रायफ्रूट गुजिया, काजू केसर बर्फी, काजू लड्डू, बेसन बर्फी, काजू रोल व बालूशाही।

30 दिन–आटा लड्डू, बेसन लड्डू, चना ललड्डू, चना बर्फी आदि एक महीने तक चलते हैं।

जिले में 600 दुकानें, 30 से 35 क्विंटल मावे की खपत–शहर में बीपीएल चौराहे पर दोनों मिठाई दुकान, घंटाघर, नई आबादी, संजीत नाका सहित जगह-जगह मिठाइयां बनीं व खुले में बिकती रहीं। कहीं एक्सपायरी डेट नहीं दी गई। ना ही अधिकारियों ने जांच करना उचित समझा। जिले में करीब 600 दुकानें हैं। यहां से करीब 30 से 35 क्विंटल मावे की खपत हो जाती है। इससे केवल मिठाइयों का व्यापार ही 20 से 25 लाख रुपए का हो जाता है।

दो दिन की गणना पूरी, चिल्लर की गिनती है अभी बाकी...

पशुपतिनाथजी के भंडार से दो दिन में मिले 29 लाख

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पशुपतिनाथजी मंदिर की सभी दानपेटियां शुक्रवार को खोल ली गई है। पहले दिन जहां 19 लाख 99 हजार 500 रुपए गिने गए थे, वहीं दूसरे दिन की गणना में 9 लाख 92 हजार 750 रूपए प्राप्त हुए हैं। इस तरह 29 लाख 92 हजार 250 रुपए दो दिनी गणना में गिने गए हैं। यह दानराशि करीब सवा महीने के अंतराल की है। अभी चिल्लर की गणना बाकी है, जिसे मिलाकर दानराशि का आंकड़ा 35 लाख के आसपास पहुंचने की संभावना है। विदेशी मुद्रा में नेपाल 10 के 6 नोट एवं अरब अमीरात 5 डॉलर के 2 नोट, थाईलैंड 20 का 1 नोट, इंडोनेशिया देश के 17 नोट, चांदी का आइटम लगभग 20 ग्राम प्राप्त हुए। गणना कार्य में सरकारी विभाग के कर्मचारी, पटवारी, चौकीदार, जिला सहकारी बैंक के कर्मचारी, मंदिर के सेवकों आदि का सहयोग रहा।

पशु पालकों का समूह बनाकर आनंद डेयरी गुजरात प्रशिक्षण के लिए भेजें-कलेक्टर

कृषक संगोष्ठी नियमित रूप से आयोजित करें, प्रतिदिन किसान बुलेटिन जारी करें

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में आत्मा की बैठक कलेक्ट्रेट कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने कृषि एवं पशुपालन विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि, पशुपालकों का एक समूह तैयार करें तथा समूह को आनंद डेयरी गुजरात में प्रशिक्षण के लिए भेजें। इसके साथ ही दूध समूह को भी तैयार करें और उनको भी प्रशिक्षण के लिए भेजें। कृषि विभाग कृषक संगोष्ठी नियमित रूप से आयोजित करें तथा किसानों को एनपीके, डीएपी, नैनो यूरिया आदि के बारे में विस्तार से जानकारियां प्रदान करें। कृषि विभाग प्रतिदिन किसान बुलेटिन जारी करें। जिससे किसानों को आवश्यक जानकारियां समय पर प्राप्त हो सके। किसानों को जागरूक करने के लिए वैज्ञानिकों से खेती से संबंधित वीडियों भी बनवाए तथा सोशल मीडिया पर अपलोड करें। जिससे किसानों को फसलों से संबंधित जानकारियां समय पर मिले तथा किसान जागरूक बने। अमानत खाद बीजों की जांच समय पर हो।

किसानों को खेती का प्रशिक्षण के साथ ही उत्पादन बढ़ाने, निर्यात से संबंधित, मार्केटिंग, बल्क ऑर्डर जैसे नई चीजों से संबंधित प्रशिक्षण भी प्रदान करवाए। जिससे किसान खेती के साथ-साथ अन्य चीजों को भी समझे। बेहतर तकनीकी और मशीनों का किसान कैसे प्रयोग किया जाता है, इसके बारे में भी समझाएं। प्रोसेसिंग के लिए उद्योग विभाग एवं उद्यानिकी विभाग कार्य करें। तथा फूड प्रोसेसिंग के अंतर्गत किसानों को लोन प्रदान करें, जिससे अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सके।

तेज बारिश में तिरपाल लगाकर किया अंतिम संस्कार

दलौदा, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले के दलौदा तहसील के चाँदाखेडी गांव में मुक्तिधाम पर टिन शेड ना होने की वजह से बरसते पानी में ग्रामीणों ने तिरपाल को पड़कर अंतिम संस्कार किया।जिसका वीड्यिो सामने आया है। जिसमें लोगों ने तेज बारिश तिरपाल को चारों तरफ से पकड रखा है, और अंतिम संस्कार कर रहें है।

गांव के सेकडो ग्रामीण पिछले मंगलवार को हुई जनसुनवाई में पहुंचे थे और कलेक्टर को ज्ञापन दिया और इस मामले में दखल देकर श्मशान घाट पर टीन शेड लगाने की मांग की थी। ग्रामीणों के अनुसार गांव में बरसों पुराना मुक्तिधाम स्थल है इसके पास गाँव के ही नागूलाल व रामेश्वर पाटीदार की भूमि है। शासन द्वारा शेड की राशि भी स्वीकृत हो चुकी लेकिन दोनो व्यक्ति मुक्तिधाम पर शेड नही लगाने दे रहे। इसके लिए ग्रामीणों ने 20 अगस्त मंगलवार को हुई जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन सोंपकर मामले में दखल देकर श्मशान घाट पर टीन शेड लगाने की मांग की थी।शुक्रवार को केंसर से पीड़ित गांव की 50 वर्षीय महिला कमला बाई पाटीदार का निधन हो गया। श्मशान घाट पर टीन शेड नही होने की दशा में तिरपाल के नीचे मृतका का अंतिम संस्कार किया। आग की लपटें उठी तो तिरपाल हटाना पड़ा। तेज बारिश से जल रही चिता के आसपास पानी बहने लगा। ग्रामीणों ने यँहा एक वीडियो बनाकर कलेक्टर सहित विधायक और सांसद से अपील की है की कोई उनकी भी सुध ले और गांव के मुक्तिधाम में टीन शेड लगाने में बाधा डाल रहे व्यक्तियों से बातचीत कर समाधान निकाले और टीन शेड लगवाने में मदद करे।

रक्षा बंधन उत्सव मनाया

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर, केशव नगर मंदसौर में 23 अगस्त 2024 को रक्षा बंधन पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बहनो द्वारा भैयायो के मस्तक पर अक्षत तिलक लगाकर मिठाई खिलाई एवं उन्हे रक्षा सूत्र बांध कर उनके अच्छे भविष्य की कामना की साथ ही भैया द्वारा बहनों को संकट के समय सहयोग एवं सुरक्षा देने का संकल्प लिया गयाद्य विद्यालय प्राचार्य श्री संतोष जी यादव द्वारा रक्षा बंधन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अंत में हर्षोउल्लास के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वाधान में....

पैदल यात्रा दलौदा से सांवलिया सेठ के लिए रवाना

दलौदा, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्री श्याम मित्र मंडल दलौदा के तत्वाधान में नौवी विशाल पैदल यात्रा यात्रा दलौदा नगर से सांवलिया सेठ धाम मंडफिया के लिए रवाना हुई यात्रा दलौदा राम जानकी मंदिर बालाजी मंदिर से निकली यात्रा निकलने के पूर्व बालाजी मंदिर पर आरती हुई और पूजा अर्चना भजन के साथ यात्रा डीजे और ढोल की धुन पर शुरू भगवान कृष्ण गोपाल रथ बग्गी में सवार होकर निकले यात्रा में सावलिया सेठ और बालाजी महाराज के निशान साथ लेकर भक्त निकले यात्रा के दौरान यात्री गण द्वारा भजनों पर नृत्य किया और बाबा श्याम और सांवलिया सरकार को रिझाया यात्रा का नगर में जगह जगह यात्रियों और श्याम प्रेमियों का स्वागत फुल के साथ हुआ कई स्थानों पर भक्तो द्वारा नाश्ता भी करवाया गया श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा स्वागत, नाश्ता करवाने वाला का श्री श्याम मित्र मंडल का दुप्पटा पहनाकर धन्यवाद दिया प्रथम दिवस यात्रा दलौदा से नगर से बरखेड़ा पंथ पहुंचेगी जहा रात्रि विश्राम होगा और द्वितीय दिवस की यात्रा बरखेड़ा से प्रारंभ होकर नीमच सिटी में घूमते हुए कनावटी पहुंचेगी और रात्रि विश्राम होगा तृतीय दिवस की यात्रा कनावटी से प्रारंभ होकर निंबाहेडा होते हुए सीधे देवलखेडी पहुंचेगी जहा रात्रि विश्राम होगा साथ ही चतुर्थ दिवस यात्रा देवलखेडी से प्रारंभ होकर आवरी माता पहुंचेगी जहा माताजी के दर्शन करने के पश्चात यात्री झूमते हुए नाचते गाते हुए श्री कृष्ण जन्माष्मी के अवसर पर मंडफिया धाम पहुचेगी जहा भगवान को भोग लगाया जाएगा पेड्ल यात्री दर्शन करेंगे और यात्रा का समापन होगा। यात्रा में प्रतिदिन जगह जगह भक्त जनों द्वारा स्वागत सत्कार किया जाएगा यात्रा में दलौदा नगर एवम आसपास गांव के करीब 150 पद यात्री बाबा के दरबार में पहुंचेंगे नगर से निकली यात्रा के दौरान श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष श्री मुकेश पाटीदार, सचिव राजेश राजोरा, श्री बलराम पाटीदार, हरीश सेठिया, रमेश साहू, कंवरलाल राठैड, हेमंत धनोतिया, गोपाल दुबे, नितिन गुप्ता, बंटी शर्मा, चंद्रशेखर चौधरी, प्रहलाद चौधरी, राकेश सिंह केलवा, नटवर लाल गुगर, अमित सोनी, गोपाल कुमावत, बाबू भाई, सुनील जोशी, श्याम पंवार, राजेश खटोड, जितेंद्र कामराज, महेश पाटीदार, गोपाल मोंगिया, राजू पाटीदार, जयपाल सिंह, नागेश पालीवाल, मनोहर खारीवाल सहित उपस्थित थे स्वागत में सरपंच प्रतिनिधि अनिल केथवास, महेश पोरवाल, दिनेश पंवार, रूपेश सेठिया, रवि पोरवाल, दीपक जैन पप्पू, ललित जैन, अजय कुमार रातडिया, पंकज भंडारी, राकेश जैन सहित नगर वासी उपस्थित रहे।

नाले में तैरता हुआ मिला शव, हत्या की आशंका

नीमच, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शहर के सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम बोरखडी कलां में कल सुबह उस समय सनसनी फैल गई। जब गांव के समीप स्थित नाले में पानी के एक अधेड व्यक्ति की तैरती हुई लाश होने की जानकारी लोगो को हुई। सूचना पर सिटी थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकल गया। लाश के आगे से रस्सी से हाथ बंधे हुए थे और शरीर पर भी घाव दिखाई दिए। अनुमान लगाया जा रहा है की लाश कुछ दिन पुरानी है। पुलिस जांच में मृतक की पहचान महेश पिता खेमराज धाकड़ (52) निवासी खेड़ी मोहल्ला नीमच सिटी के रूप में हुई। प्रथम दृष्ट्या मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। वहीं मृतक के शव का जिला चिकित्सालय में परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जा शुरू कर दी है।

विधिक सेवा प्राधिकरण के जिला न्यायाधीश ने प्रेसवार्ता में दी जानकारी....

टालें नहीं, रजामंदी से कराएं लोक अदालत में समझौता

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अगले महीने 14 सितंबर को मंदसौर जिले में लोक अदालत का आयोजन होना है। लोक अदालत के प्रचार प्रसार और इसकी उपयोगिता के संदर्भ में जिला न्यायाधीश सिद्धार्थ तिवारी शुक्रवार दोपहर विधिक सेवा प्राधिकरण के सभाकक्ष में प्रेस से रूबरू हुए। उन्होंने बताया कि लोक अदालत एक प्रकरणों के निपटान का एक अच्छा माध्यम है। जो प्रकरण सुलह हो सकते हैं, उन्हें टालें नहीं, रजामंदी से लोक अदालत में समझौता करवाएं। समझौते वाले प्रकरण में दोनों पक्षों में मेल मिलाप बढ़ता है और साथ ही आर्थिक हानि होने से भी बचा जा सकता है। कई बार हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंच जाता है, जहां वकील फीस ही इतनी अत्यधिक रहती है कि परेशानीभरा रहता है। ऐसे में समझौता योग्य प्रकरण का लोक अदालत से पटाक्षेत्र करवाएं। इसमें हम एक्सपर्ट की मदद से दोनों पक्षों को समझाईश देकर पूरे सम्मान के साथ राजीनामा करवाने में मददशील रहेंगे। लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए भी न्यायालय में आमजन को जागरूक करने की अपील की जाएगी। नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय मंदसौर और तहसील न्यायालय गरोठ, भानपुरा, नारायणगढ़, सीतामऊ में किया जाएगा। जिला न्यायाधीश सिद्धार्थ तिवारी ने आगे बताया कि 14 सितंबर को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और मप्र हाईकोर्ट के निर्देश पर लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। समझौते योग्य प्रकरण, चेक बाउंस, विद्युत, मोटर दुर्घटना और अन्य अपराधिक मामले जिसमें आपसी सुलह हो सकती है और पारिवारिक मामलों में आपसी समझौते योग्य केस का संपूर्णता से निराकरण कराया जाएगा। प्रेसवार्ता में विधिक प्राधिकरण से जुड़े प्रवीण कुमार भी मौजूद रहे।

भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर आज जिला बैठक

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भाजपा संगठन प्रभारी महेंद्र सिंह एंव सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी एंव विधायक भगवानदास सबनानी के निर्देशानुसार मंदसौर जिले में भाजपा सदस्यता अभियान भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में संगठन पर्व के रूप में मनाया जायेगा। जिले में सदस्यता अभियान को प्रदेश भाजपा की मंशानुरुप सुचारू रूप से पूर्ण करने के लिए आज 24 अगस्त को जिला मुख्यालय मंदसौर पर दोपहर 12:30 बजे स्थानीय शुभकामना रिसोर्ट में जिला स्तरीय सदस्यता अभियान हेतु आवश्यक बैठक में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, प्रदेश भाजपा द्वारा नियुक्त पदाधिकारी पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष उज्जैन श्याम बंसल, मंदसौर जिला संगठन प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, विधायकगण हरदीपसिंह डग, चन्दरसिंह सिसौदिया, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार सहित जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि गणों एंव संगठन पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न होगी।

138 गायों को पकड़ कर छोड़ा गौशाला

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शहरी क्षेत्र में कुल 138 गायों को पड़कर गौशाला छोड़ा गया। 21 अगस्त से अभी तक कुल 138 गायों को पकड़ कर गौशाला छोड़ा गया एवं गायों के मालिकों से जुर्माना राशि भी वसूल की गई। सभी नगरी निकायों में दल गठित कर दिया ग। पशुपालकों को चेतावनी देने के लिए मुनादी भी करवाई जा रही है।

सांसद सुधीर गुप्ता प्राक्कलन समिति में सदस्य बनाए गए

मंदसौर, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता को प्राक्कलन समिति का सदस्य बनाया गया। इस समिति में लोकसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम के तहत प्रत्येक वर्ष लोकसभा के543 सदस्यों में से 30 सदस्य निर्वाचित होंगे। प्राक्कलन समिति समय-समय पर जांच के लिए किसी भी मंत्रालय या मंत्रालयों के समूह या उनके अंतर्गत आने वाले विषयों या ऐसे सामाजिक और सरकारी संगठनों से संबंधित प्रकरणों का चयन करेगी। जांच किए गए विषय के संबंध में समिति की टिप्पणियां व सिफारिश समिति के सभापति लोकसभा में प्रस्तुत करेंगे। समिति समय-समय पर यदि आवश्यक होगा तो जांच के चयनित विषयों के लिए देशभर में उन संस्थाओं प्रतिष्ठानों का अध्ययन दोरा कर सकती है। समिति का उद्देश्य प्रशासन में दक्षता और मितव्ययिता लाना, वैकल्प नीतियों का सुझाव देना, यह जांच करना कि अनुमानों में निहित नीति की सीमाओं के अंदर ही धनराशि व्यय की गई है।ग्रामीण विकास मंत्रालय, सड़क परिवहन और राज्य मार्ग मंत्रालय, नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, रेल मंत्रालय, वस्त्र मंत्रालय, विद्युत मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, पतन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय पर्यटन मंत्रालय, संचार मंत्रालय, कारपोरेट कार्य मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, विधि और न्याय मंत्रालय, सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, जनजाति कार्य मंत्रालय कोयला मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय सहकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय, वाणिज्य उद्योग मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यम मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, अंतरिक्ष विभाग, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, नीति आयोग कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सहित अन्य विभागों में समिति समय-समय पर कार्यों का प्राक्कलन करेगी, विषयों का चयन करेगी और लोकसभा में प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। उक्त समिति में निम्नलिखित 30 सदस्य सम्मिलित हैं समिति के अध्यक्ष संजय जयसवाल होंगे। समिति का सदस्य बनाए जाने पर सांसद सुधीर गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार प्रकट किया है।

कार ने पिकअप को मारी टक्कर

नीमच, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शहर के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले हाईवे बाइपास स्थित भरभड़या चौराहे पर गुरुवार रात में हादसा हो गया। जिसमें एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इसमें कार सवार 9 लोग घायल हो गए। इस दौरान कार में आग भी लग गई। हालांकि उससे पहले ही सभी लोग बाहर आ चुके थे। आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड भी तुरंत मौके पर पहुंची और समय रहते आग काबू पाया।कार सवार सभी लोग बंजारा समाज के उज्जैन जिले नागदा तहसील अंतर्गत गांव बोरखेड़ा के रहने वाले है।

सात गैस टंकी एवं गैस रिफिलिंग मोटर जप्त

नीमच, 23 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया के मार्गदर्शन में शनिवार को खाद्य विभाग द्वारा कुकड़ेश्वर में जगदीश कार वॉशिंग सेंटर से 7 गैस की टंकी एवं एक मोटर गैस रिफिलिंग पंप जप्त कर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण बनाया गया है।

मृत्यु के बाद भी सुकून नहीं! डेथ... पेज 1 से जारी

प्रमाण बनाना होगा। लेकिन, दुर्घटना मामलों में घटनास्थल ढूंढने के फेर में परिजनों के समय और आर्थिक हानि भी हो रही है।

बड़े अस्पताल में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए लग रही लाईन–बड़े अस्पताल में अथवा जिले के सभी सरकारी अस्पताल में मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लाईनें लग रही है। इन लाईनों में परिजनों को परेशानी को समझा जा सकता है। पोर्टल बंद, सर्वर डाउन व घटनास्थल को ढूंढने में इधर से उधर भागमभाग हो रही है। कई बार यह देखने में भी आ रहा है कि बड़े अस्पताल में संबंधित कर्मचारी परिजनों को अनसुलझे नियम भी लादते हैं, इस कारण डेथ सर्टिफिकेट के पूर्व अन्य प्रमाण पत्र बनाने में भी परेशान होना पड़ रहा है।

प्रशिक्षण बैठक में दी गई है जानकारियां–बताते हैं कि प्रमाण पत्र के लिए नगरीय निकाय, सरकारी अस्पताल एवं ग्राम पंचायत सचिव को प्रशिक्षण बैठक में जानकारियां दी गई है। कहा गया है कि प्रमाण पत्र बनवाने में कोताही नहीं करें। पंचायत सचिव को उप पंजीयन का अधिकार भी दिए जाने की बात सामने आई है। इसके बाद भी परेशानी विद्यमान है। ऐसे में और दिशा निर्देश दिए जाने की जरूरत महसूस हो रही है।

लाखों की चोरी का खुलासा, दस... पेज 1 से जारी

गहने कीमती करीब 10 लाख रूपये के जब्त किए गए हैं। फरार आरोपीगण गोवर्धन गायरी निवासी नलखेड़ा व नरसिंह बैरागी निवासी निवासी गुदरावन की तलाश जारी हैं।

पुलिस कप्तान श्री आनंद ने बताया कि आरोपी अशोक गायरी ने पिछले एक महीने में राजगढ़, सारंगपुर, शाजापुर तथा शुजालपुर में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। पकड़े गए आरोपियों से अभी और पूछताछ की जा रही है। सम्पूर्ण कार्रवाई में थाना निरीक्षक उदयसिंह अलावा, उपनिरीक्षक कुलदीपसिंह राठौड़, चंदवासा चौकी प्रभारी उनि विकास गेहलोत, प्रआर मुजफ्फर सायवर सेल, आरक्षक हीरालाल, विशाल सिंह, कौशलेन्द्रसिंह, मनीष बनोधा, गौरव सिकरवार सायवर सेल की सराहनीय भूमिका रही।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1078/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक–16.08.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक दामोदर मिनरल, सीतामऊ फाटक, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 09.08.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 20.09.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मंदसौर	डिगांवखुर्द	321	3.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20.09.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-15249/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 24 अगस्त को शाम 5 से रात 8 और रविवार 25 अगस्त को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं–✻ चेहरे के कील–मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क–9424813088

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक मंदसौर, दिनांक

[redacted]

सर्व साधारण को सूचित [redacted] वाहन क्रमांक एमपी 14 जीसी 1557 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में श्री भगवानसिंह पिता कमलसिंह राजपूत निवासी विशनिया तह. सीतामऊ जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 02.03.2024 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी श्रीमती गोविन्दकुंवर पति स्व. श्री भगवानसिंह ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास–207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)–458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 60/2024 दिनांक 23.08.2024

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा कारुलाल पिता हेमराजजी सोलंकी, जाति बलाई, निवासी वार्ड नं, 8, गणेशमार्ग मल्हारगढ़, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर से आवासीय मकान क्रमांक 52, वार्ड नं. 08, पता ग्राम मल्हारगढ़ पटवारी हल्का नं. 18, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई पंजीकरण क्रमांक एमपी 249402024ए1310943 दिनांक 12.03.2024 से मेरे पक्षकार मंजूबाई पति कारुलालजी, जाति बलाई, निवासी वार्ड नं, 8, गणेशमार्ग मल्हारगढ़, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मल्हारगढ़ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है–

पूर्व में–रास्ता गणेश मार्ग, पश्चिम में–किशनलाल मालवीय का मकान, उत्तर में–शिवलाल जोशी का मकान, दक्षिण में–तन्नुजी जोशी का मकान, पैमाईश रकबा–646 वर्ग फीट या 59.98 वर्ग मीटर,

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in